MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 25 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-321

कहीं दीप जले-कहीं दिल

काशी में रोशन हुए घाट

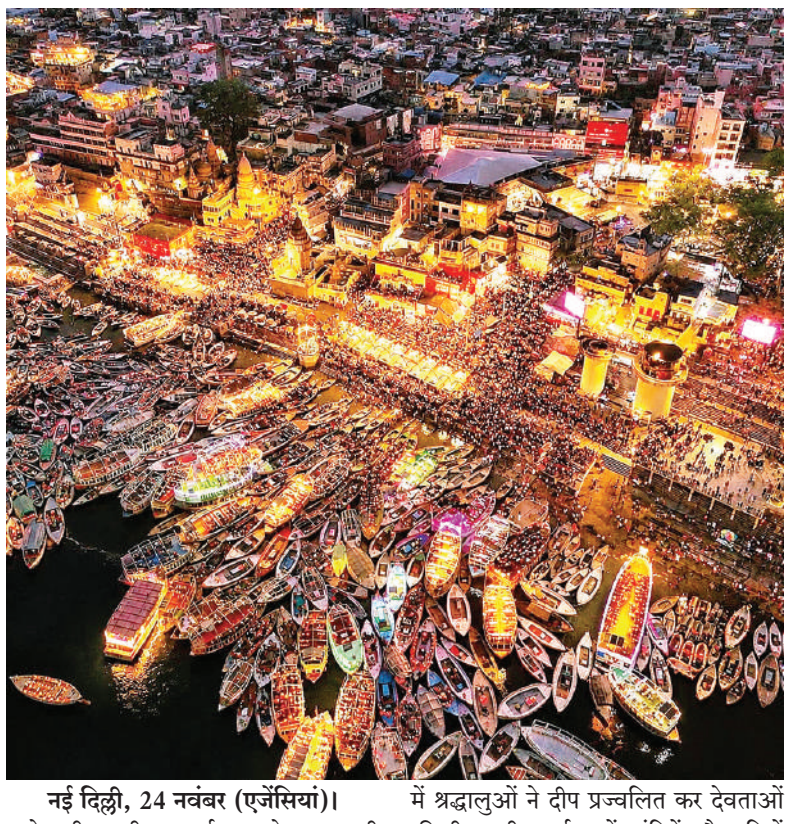

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

देव दीपावली का पर्व अब केवल काशी के घाटों तक सीमित नहीं रह गया है। इसकी भव्यता और आस्था का विस्तार देश के कोने-कोने में देखने को मिल रहा है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर देवताओं की दीपावली मनाई। घरों, मंदिरों और नदियों के घाटों पर उत्सव, पूजा-पाठ और दीपदान की रौनक दिखाई दी। मान्यता है कि देव दीपावली के दिन देवता स्वर्ग से धरती पर उतरकर दीपावली मनाते हैं। कोयंबटूर स्थित सद्गुरु के ईशा योग केंद्र में हजारों दीप प्रज्वलित कर देव दीपावली मनाई गई। इस अवसर पर आदियोगी, ध्यानलिंगम, सूर्यकुंड और चंद्रकुंड जैसे पवित्र स्थल दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। दीपों की सौम्य रोशनी ने पूरे परिसर को अद्भुत छटा प्रदान की।

यहां काल भैरव की पवित्र स्थली को भी दीपों से रोशन किया गया। पूरे परिसर में दीपों की रोशनी से शांति, भव्यता और पवित्रता का वातावरण बना रहा। दक्षिण भारत के तमिलनाडु में इस पर्व को कार्तिगई दीपम के नाम से भी जाना जाता है। यह वहां के सबसे प्राचीन त्योहारों में से एक है।

महाराष्ट्र के अकोला में भी देव दीपावली पर श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। शहर के सालासर मंदिर और रामदेव बाबा मंदिर में हजारों दीप प्रज्वलित किए गए। दोनों मंदिरों में कुल 13 हजार दीपों की रोशनी से परिसर जगमगा उठा।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सिखों का प्रकाश पर्व भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन सिखों के प्रथम गुरु और सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देवजी का जन्म हुआ था। इस अवसर पर अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में भी प्रकाशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आतिशबाजी से पूरा आसमान जगमगा उठा।

▶8पर

दीपथून पर नहीं जला दीपम

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु की धर्मनगरी मदुरै की थिरु-परनकुंद्रम पहाड़ी इन दिनों आस्था, कानून और राजनीति के टकराव का केंद्र बनी हुई है। विवाद कार्तिगई दीपम के अवसर पर पहाड़ी के शिखर पर स्थित प्राचीन 'दीपथून' स्तंभ पर दीप प्रज्वलित करने को लेकर है। भक्तों और हिंदू संगठनों का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति और मद्रास हाईकोर्ट के निर्देशों के बावजूद दीपथून पर पारंपरिक दीप नहीं जलाया जा सका।

कार्तिगई दीपम के अवसर पर मदुरै की पहाड़ी पर हर वर्ष की तरह महादीप प्रज्वलित किया गया, लेकिन इस बार यह दीप पारंपरिक 'उचि-पिल्लैयार' मंदिर के दीप मंडपम में ही जलाया गया। इससे कुछ दूरी पर स्थित प्राचीन 'दीपथून' स्तंभ पर कोई दीप नहीं जलाया गया। जिस स्थान पर सुप्रीम कोर्ट ने अस्थायी व्यवस्था के तहत दीप प्रज्वलित करने की अनुमति दी थी, वहां शाम के समय केवल एक लाइट जलती दिखाई दी।

20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने एक बार की अंतरिम व्यवस्था के तहत 24 नवंबर को दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति दी थी। हालांकि, इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने सांप्रदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट से इस आदेश पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। भक्तों और हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया



कि तमिलनाडु सरकार ने कानून-व्यवस्था का हवाला देकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनदेखी की। उनका कहना है कि इससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

पूरी पहाड़ी पर कड़ी सुरक्षा

कार्तिगई दीपम के अवसर पर मदुरै की पूरी पहाड़ी को कड़ी सुरक्षा के घेरे में रखा गया था। मदुरै पुलिस की अगुवाई में साढ़े पांच हजार से अधिक पुलिसकर्मी, 12 पुलिस अधीक्षक, 8 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और 132 निरीक्षक तैनात किए गए थे। जिलाधिकारी ने पूरे इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनए-सएस) की धारा 163 लागू कर दी थी। इसके साथ ही पहाड़ी को ड्रोन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया था। भारी पुलिस सुरक्षा के बीच तांबे का कड़ाहा, रुई की बाती और घी पहाड़ी पर ले जाया गया, लेकिन दीपथून के चारों ओर बैरिकेडिंग कर उसे पूरी तरह सील रखा गया। ▶8पर

पंजाब में मोटा भाई की भूमिका

सत् श्री 'अकाली'



नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

पंजाब की राजनीति में करीब छह साल बाद भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल एक बार फिर साथ आ गए हैं। मंगलवार को दोनों दलों ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने दिल्ली में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन का ऐलान किया। अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सबसे पुराने साथी की एनडीए में वापसी हुई है और पंजाब में अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा।

अकाली दल और भाजपा पंजाब में करीब दो दशक तक मिलकर चुनाव लड़ते रहे हैं, लेकिन 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर दोनों दलों ने एक-दूसरे का साथ छोड़ दिया था। इसके बाद 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों में दोनों ने अलग-अलग चुनाव लड़े, लेकिन किसी को भी अपेक्षित सफलता नहीं मिली। ▶8पर

बदरीनाथ हेराफेरी
चढ़ावा कांड जाँच रिपोर्ट पेश



देहरादून, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

बदरीनाथ धाम में चढ़ावे में हेराफेरी के मामले की जांच के लिए गढ़वाल मंडलायुक्त आनंद स्वरूप की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति ने साढ़े चार माह बाद अपनी जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। 300 से अधिक पृष्ठों की इस रिपोर्ट में चढ़ावे की गिनती कांच की दीवारों वाले कक्ष में कराने और गणना ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को बिना जेब वाले कपड़े पहनाने की सिफारिश की गई है।

बदरीनाथ धाम में चढ़ावे में हेराफेरी का मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शासन ने उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की थी। समिति में गढ़वाल मंडलायुक्त आनंद स्वरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक संदीप तिवारी और वित्त अधिकारी जगत सिंह चौहान शामिल थे। ▶8पर



कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 15^0

इंडिया में फूट!
सपा लिस्ट जारी-कांग्रेस पैदल



लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है। सोमवार को दोनों दलों के बीच पहले दौर की बैठक हुई थी, जबकि मंगलवार को दूसरे दौर की बातचीत हुई। समाजवादी पार्टी ने शुरुआती तौर पर कांग्रेस को 26 सीटों का प्रस्ताव दिया है।

इसी बीच समाजवादी पार्टी ने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पांच प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इसे सीट बंटवारे को लेकर दोनों दलों के बीच चल रही बातचीत के बीच एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सपा की ओर से जारी सूची के मुताबिक, सहारनपुर की बेहट विधानसभा सीट (01) से उमर अली खान को प्रत्याशी बनाया गया है। सहारनपुर विधानसभा सीट (04) से आशु मलिक को टिकट दिया गया है। इसके अलावा शामली की कैराना विधानसभा सीट (08) से नाहिद हसन, अमरोहा विधानसभा सीट (41) से महबूब अली और ललितपुर विधानसभा सीट (226) से ज्योति लोधी को प्रत्याशी घोषित किया गया है। इनमें से चार मौजूदा विधायक हैं।

▶8पर



शेख हसीना के गृह जिला गोपालगंज में अवामी लीग के जुलूस पर विवाद, बम चले, दुकानें फूंकी, 30 घायल

ढाका (बांग्लादेश)

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का पैतृक गृह जनपद और देश के राजनीतिक गढ़ के रूप में मशहूर गोपालगंज में जमकर देसी बम फूटे। कम से कम 12 दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। इस दौरान लगभग 30 लोग घायल हो गए। यह घटनाएं हसीना की पार्टी अवामी लीग और उससे संबद्ध संगठनों के दिन में निकाले गए जुलूस को लेकर हुए विवाद के बाद हुईं।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित अवामी लीग के गोपालगंज शहर व अन्य स्थानों पर निकाले गए जुलूस पर हुए विवाद के बाद हिंसा भड़क गई। यह खूनखराबा गोपालगंज शहर के लान्च घाट और गोपालगंज क्रिकेट स्टेडियम के आसपास के इलाकों और कोतालीपाड़ा उपजिला के दक्षिण हिरन गांव में हुआ।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गोपालगंज शहर के लान्च घाट इलाके से एक जुलूस निकाला। जुलूस के बाद एक रैली में पार्टी नेताओं के बगल में खड़े होने को लेकर घोषरचर गांव के एक युवक और चारमानिकदाह गांव के कुछ युवकों के बीच बहस हो गई। इस घटना के कारण शाम को दोनों गांवों के निवासियों के बीच झड़पें शुरू हो गईं।

गोपालगंज क्रिकेट स्टेडियम के पास की सड़क पर दोनों गुटों के बीच देसी हथियारों के साथ आमना-सामना हुआ और एक-दूसरे का पीछा किया गया। झड़प के दौरान चार देसी बम फटे और फूलों की कम से कम सात दुकानों में तोड़फोड़ की गई। इस घटना में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, इनमें से पांच गंभीर रूप से घायल लोगों को गोपालगंज मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया। गोपालगंज मेडिकल कालेज अस्पताल के सहायक निदेशक डा. नियाज़ महमूद ने बताया कि शाम को एक झड़प में घायल हुए कई लोग अस्पताल आए। कुछ लोग प्राथमिक उपचार के बाद चले गए, जबकि कई अन्य अस्पताल में भर्ती रहे।

गोपालगंज सदर थाना के इंस्पेक्टर (जांच) मो. सिराजुल इस्लाम ने कहा, हमें घटना के बारे में शुरुआती जानकारी मिली है। अभी तक किसी ने थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। अगर कोई शिकायत दर्ज कराई जाती है,तो जांच के बाद जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, कोतालीपाड़ा उपजिला के दक्षिण हिरन गांव में अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के निकाले गए जुलूस को लेकर दो गुटों के बीच बहस हो गई, जिसके बाद झड़प हो गई। इस घटना में 10 लोग घायल हो गए और पांच दुकानों में तोड़फोड़ की गई।

न्यूज ब्रीफ

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की मांग



संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म होना चाहिए। काला सागर में जहाजों और खाद्य की आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि यूक्रेन युद्ध पांचवें वर्ष में पहुंच चुका है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। भारत के स्थाई प्रतिनिधि पी हरीश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान का हवाला देते हुए कहा कि दुनिया को कभी न खत्म होने वाले युद्ध से आगे बढ़कर युद्ध के अंत की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और काला सागर क्षेत्र मिलकर दुनिया के करीब 20 फीसद अनाज का उत्पादन करते हैं। रूस और यूक्रेन दुनिया के गेहूं, मक्का और जौ के कुल निर्यात में करीब 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। पी हरीश ने कहा कि युद्ध से खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट बढ़ा है। इससे विकासशील देश (ग्लोबल साउथ के देश) सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने भारत के 1943 के बंगाल अकाल का जिक्र किया, जिसमें 30 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने इस अवसर पर काला सागर में जहाजों पर हमलों में अब तक चार भारतीय नाविकों की मौत और दो लापता होने का जिक्र किया।

अयोध्या से जनकपुरधाम पहुंची सरयू-कमला एक्सप्रेस, भारत-नेपाल के बीच शुरू हुई रामायण सर्किट रेल सेवा



काठमांडू। भारत और नेपाल के बीच धार्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में शुरू की गई सरयू-कमला एक्सप्रेस मंगलवार सुबह नेपाल के जनकपुरधाम पहुंच गई। भारत के अयोध्या से रवाना हुई यह ट्रेन मंगलवार सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर जनकपुरधाम रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन के पहुंचने पर यात्रियों का फूल-मालाओं और भारत-नेपाल के राष्ट्रीय ध्वज के साथ स्वागत किया गया। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाह ने संयुक्त रूप से इस रेल सेवा का उद्घाटन किया । यह अयोध्या से जनकपुरधाम के लिए रवाना हुई । करीब 21 घंटे की यात्रा पूरी करने के बाद ट्रेन जनकपुरधाम पहुंची। ट्रेन में सवार यात्रियों के आगमन को लेकर जनकपुरधाम में उत्साह का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं और दोनों देशों के झंडों के साथ यात्रियों का स्वागत किया। सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा को भारत और नेपाल के बीच धार्मिक पर्यटन तथा सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। इसके माध्यम से अयोध्या और जनकपुर जैसे रामायण परंपरा से जुड़े प्रमुख धार्मिक स्थलों के बीच संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है। जनकपुरधाम को माता सीता की जन्मभूमि माना जाता है। रामायण परंपरा में दोनों शहरों का विशेष धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। इस रेल सेवा से दोनों देशों के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को धार्मिक स्थलों की यात्रा में सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, भारत और नेपाल के बीच पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और जनस्तर पर संपर्क को भी बढ़ावा मिल सकता है।

ट्रंप ने ईरान को दी धमकी कहा- नए साल पर तबाही मचाएंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर नए साल तक दोनों देशों के बीच कोई समझौता नहीं होता है, तो ईरान पर दोबारा सैन्य हमला किया जाएगा। ट्रंप ने बातचीत को लेकर ईरान के रवैये की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि तेहरान के अधिकारी बात घुमाने में माहिर हैं और वे सिर्फ बातें करते हैं, जिनका कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता। ट्रंप ने ईरान को यह भी चेताया कि यदि ईरानी टैंकर समुद्री नाकेबंदी को तोड़ते हैं, तो उनका हश्र भी ईरान की नौसेना की तरह समुद्र की तलहटी में होगा। अमेरिका और ईरान के बीच बीते फरवरी महीने से ही जंग जारी है। कतर, ओमान और पाकिस्तान जैसे देशों की मध्यस्थता के बाद भी कोई शांति समझौता नहीं हो पाया है। दोनों ओर से अब भी हमले जारी हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव चरम पर है। ट्रंप कई बार ईरान द्वारा बातचीत में रखी जा रही शर्तों पर असंतोष व्यक्त कर चुके हैं। इससे एक दिन पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि अगर अमेरिका अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप उचित शर्तें स्वीकार कर ले, तो होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना कोई मुश्किल काम नहीं होगा। अराघची ने जोर दिया कि संकट के समाधान के लिए वाशिंगटन को अपनी गलतियां स्वीकार करनी होंगी और उसे पहले किए गए अपने सभी वादों को पूरा करना होगा। इस बीच, ईरान भी शांत नहीं बैठा है और अपनी सैन्य शक्ति का लगातार प्रदर्शन कर रहा है।

जेन्सेन हुआंग की एनवीडिया में वापसी तो हुई पर संदेह के बादल छंटे नहीं, अगले सप्ताह अमेरिकी कांग्रेस के सामने देनी होगी गवाही

वाशिंगटन (अमेरिका)

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया में जेन्सेन हुआंग की वापसी से विवाद बढ़ गया है। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की कई समितियों ने पुष्टि की है कि हुआंग अगले सप्ताह सांसदों के सामने पेश होकर सवालों के जवाब देंगे। इस मामले में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों दलों के सांसदों ने चिंता जताई है। एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेन्सेन हुआंग को फिर कंपनी का अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और निदेशक मंडल का सदस्य नियुक्त करने पर गंभीर सवाल उठे हैं।

एक्सिओस और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार. हुआंग ने इस महीने की शुरुआत में निजी संबंधों से जुड़े विवादों और कथित चीनी जासूसी संपर्कों की खबरों के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, 23 नवंबर को कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें फिर से कंपनी का अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनकी वापसी का स्वागत किया है। बताया गया है कि हुआंग पहली दिसंबर को प्रतिनिधि सभा की तीन समितियों के सामने पेश होंगे। इनमें खुफिया मामलों की समिति, विदेश मामलों की समिति और चीन से जुड़े मामलों की विशेष समिति शामिल हैं।

इसके अलावा, सीनेट की बैंकिंग समिति ने भी उन्हें तीन दिसंबर को गवाही के लिए तलब किया है। खबर है कि एनवीडिया के जनरल काउंसिल टिम टीटर दो दिसंबर को इन समितियों के सामने स्वेच्छा से अपना पक्ष रखने पर सहमत हो गए हैं। खुफिया मामलों की समिति के प्रवक्ता ने कहा कि हुआंग को दोबारा सीईओ बनाए जाने से कांग्रेस की जांच पर कोई असर नहीं पड़ेगा। समिति का कहना है कि कंपनी के प्रमुख रहते हुए भी उनसे सवाल पूछे जाने थे और पद छोड़ने के बाद भी जांच जारी थी। अब उनकी वापसी से भी स्थिति नहीं बदलेगी। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई गंभीर सवालों के जवाब अभी मिलने बाकी हैं।

सांसदों ने जताई नाराजगी: सीनेट में विपक्ष के नेता चक शूमर ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप प्रशासन, जेन्सेन हुआंग और एनवीडिया के अन्य अधिकारियों से जुड़े किसी भी गलत काम की जांच के लिए पूरी ताकत लगाएगी। सीनेटर एलिजाबेथ वारेन ने भी कहा कि हुआंग की वापसी से कंपनी की जवाबदेही खत्म नहीं हो



जाती। कंपनी के अधिकारियों और निदेशक मंडल को कांग्रेस के सामने जवाब देना होगा।

उन्होंने निर्यात नियंत्रण से जुड़े कानूनों को जल्द लागू करने की जरूरत भी बताई। उनका कहना है कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एनवीडिया ऐसे कानूनों को रोकने के लिए दबाव न बनाए, जिनका उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना है।

प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज ने हुआंग की वापसी के फैसले को अनुचित और गैर-जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कंपनी और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक की भूमिका की व्यापक जांच कराने की मांग की है। कैलिफोर्निया के सांसद राबर्ट गार्सिया ने भी इस मामले में राष्ट्रपति ट्रंप की कथित भूमिका पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि किसी राष्ट्रपति का किसी निजी कंपनी में निवेश है, तो उसे उस कंपनी के बोर्ड के फैसलों को प्रभावित नहीं करना चाहिए।

रिपब्लिकन सांसदों ने भी उठाए सवाल: हुआंग की वापसी को लेकर केवल डेमोक्रेटिक सांसद ही सवाल नहीं उठा रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के कुछ नेताओं ने भी कंपनी के फैसले पर संदेह जताया है। टेक्सास के सीनेटर जान कार्निन ने कंपनी बोर्ड के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि हुआंग की वापसी से राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। यूटा के सीनेटर जान कर्टिस ने भी पूछा कि आखिर ऐसा क्या बदल गया कि कुछ ही दिनों में बोर्ड ने अपना फैसला पलट दिया। उन्होंने कहा कि पहले कंपनी ने हुआंग को वापस लाने की कोई योजना नहीं होने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्हें फिर से सीईओ बना दिया गया। यह सब उस समय हुआ है, जब उनके खिलाफ स्वतंत्र जांच अभी जारी है। नार्थ डकोटा के सीनेटर केविन क्रेमर ने तो हुआंग की दोबारा नियुक्ति पर ही सवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि चीन से जुड़े सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए उन्हें फिर से कंपनी की जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए। क्रेमर ने अमेरिका में निर्यात नियंत्रण कानूनों को और सख्त बनाने की मांग की।

चीन को चिप निर्यात भी जांच के दायरे में: इस पूरे विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू एनवीडिया के चिप निर्यात से जुड़ा है। अमेरिकी सांसद यह जानना चाहते हैं कि कंपनी ने चीन सहित दूसरे देशों को अपने अत्याधुनिक चिप बेचने के दौरान अमेरिकी निर्यात प्रतिबंधों का पूरी तरह पालन किया या नहीं। अमेरिकी सरकार को आशंका है कि अत्याधुनिक चिप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी तकनीक चीन की सैन्य और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने में इस्तेमाल हो सकती है। इसी वजह से अमेरिका ने चीन को कुछ उन्नत चिप बेचने पर प्रतिबंध और नियंत्रण लगा रखे हैं। अब कांग्रेस की सुनवाई में हुआंग से कंपनी की कारोबारी नीतियों, चीन को चिप निर्यात और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर सवाल पूछे जाने की संभावना है।

ट्रंप की अपील का असर: कंपनी के अनुसार, बोर्ड ने हुआंग के साथ कई दौर की बातचीत और बैठकों के बाद उनकी वापसी का फैसला किया। बोर्ड का कहना है कि उसे हुआंग की स्पष्टवादिता और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा है। इस फैसले से पहले अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से भी राय ली गई। हुआंग की वापसी के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। ट्रंप लगातार कंपनी के बोर्ड से उन्हें फिर से कंपनी की कमान सौंपने की अपील कर रहे थे।

इस मुद्दे पर अमेरिकी प्रशासन के भीतर भी अलग-अलग राय सामने आई थी। वित्त सचिव स्काट बेसेंट ने शुरुआत में कंपनी में नए बाहरी सीईओ और बड़े बदलाव की जरूरत बताई थी। हालांकि बाद में उन्होंने अपना रुख नरम कर लिया। दूसरी ओर, वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक की चीन को एनवीडिया के चिप निर्यात से जुड़े फैसलों को लेकर आलोचना हुई थी। इस मुद्दे पर अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों के बीच मतभेद भी सामने आए।

सर्बिया में नौकरी का झांसा देकर दिल्ली के होटल में 45 दिन तक बंधक बनाकर रखे गए नेपाल के तीन नागरिकों को मुक्त कराया गया



काठमांडू

विदेश में अच्छी नौकरी और बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर सर्बिया भेजने के बहाने दिल्ली लाकर नेपाल के तीन नागरिकों को करीब 45 दिन तक एक होटल के कमरे में बंधक बनाकर रखा गया। नेपाल पुलिस, नेपाली दूतावास, दिल्ली पुलिस और एक सामाजिक संस्था के संयुक्त प्रयास से तीनों को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया।

सगरमाथा पर्वतारोही कल्पना महर्जन के अनुसार, तीनों नागरिकों को सर्बिया में रोजगार दिलाने का प्रलोभन देकर नई दिल्ली पहुंटाया गया । यहां उन्हें एक होटल के कमरे में बंधक बनाकर रखा गया । इसकी सूचना मिलने पर नेपाल पुलिस के मानव तस्करी जांच ब्यूरो, नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास, दिल्ली पुलिस और सामाजिक संस्था किन इंडिया ने कार्रवाई शुरू की। संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय और संयुक्त प्रयास के बाद तीनों नेपाली नागरिकों को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया। इन तीनों को नेपाली दूतावास के सहयोग से मंगलवार सुबह काठमांडू पहुंचाया गया। वहां उनसे पूछताछ की जा रही है।

सामाजिक संस्था किन इंडिया के निदेशक नवीन जोशी के अनुसार, एक अवैध मानव तस्करी गिरोह ने तीनों नेपाली नागरिकों को विदेश में रोजगार दिलाने का आश्वासन देकर दिल्ली पहुंचाया। उन्हें सर्बिया भेजने का प्रलोभन दिया गया और दिल्ली के एक होटल में बंधक बनाकर रखा गया।

जोशी ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद संबंधित सरकारी और सुरक्षा एजेंसियों से तत्काल संपर्क कर तीनों की सुरक्षित रिहाई के लिए पहल की गई। उन्होंने कहा कि विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर नेपाली नागरिकों को शोषण और मानव तस्करी के जोखिम में डालने वाली ऐसी घटनाओं को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इस तरह के मामलों को रोकने के लिए सरकारी निकायों को अधिक सतर्क और जिम्मेदार होना होगा।

इस घटना ने एक बार फिर विदेश में रोजगार के नाम पर नेपाली नागरिकों को निशाना बनाने वाले मानव तस्करी गिरोहों के खतरे को उजागर किया है।

नेपाल में तिब्बत की सीमा से सटे क्षेत्र में 5.6 तीव्रता का भूकंप



काठमांडू। नेपाल के पूर्वी सीमा क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका असर सिक्किम में भी महसूस किया गया।रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.6 दर्ज की गई। राष्ट्रीय भूकंप मापन एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 7 बजकर 17 मिनट पर आया। इसका केंद्र नेपाल के ताप्लेजुंग जिले के ओलांगचुंग गोला के निकट रही। यह इलाका तिब्बत की सीमा से सटा हुआ है। केंद्र के भूकंप विज्ञानी राजेश शर्मा ने बताया कि भूकंप के झटके कोशी प्रदेश के कुछ जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने भूकंप के केंद्र को भारत के सिक्किम राज्य के मंगन क्षेत्र से लगभग 67 किलोमीटर दूर बताया है और कहा कि इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

रक्सौल-काठमांडू रेलमार्ग का फील्ड लोकेशन सर्वे पूरा, अब डीपीआर तैयार करने पर नेपाल-भारत के बीच सहमति

काठमांडू

नेपाल की राजधानी काठमांडू को भारत के सीमावर्ती शहर रक्सौल से जोड़ने वाली प्रस्तावित विद्युतीय रेल परियोजना ने एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। काठमांडू-रक्सौल रेलमार्ग का फील्ड लोकेशन सर्वे (स्थलीरय सर्वेक्षण) पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इसकी आधिकारिक घोषणा की।

भारत और नेपाल की ओर से जारी संयुक्त विजन पेपर में कहा गया है कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने प्रस्तावित रक्सौल-काठमांडू इलेक्ट्रिक ब्राडगेज रेलमार्ग का फील्ड लोकेशन सर्वे पूरा होने की घोषणा की है। सर्वे पूरा होने के बाद अब इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, रेलमार्ग के निर्माण की लागत और निवेश का प्रारूप अभी तय नहीं हुआ है।

2018 में हुआ था रेल संपर्क विस्तार पर समझौता

नेपाल और भारत के बीच 7 अप्रैल 2018 को रेल संपर्क विस्तार को लेकर सहमति बनी थी। इसी समझौते के तहत भारत के सीमावर्ती शहर रक्सौल को नेपाल की राजधानी काठमांडू से जोड़ने के लिए नई विद्युतीय रेल लाइन बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। इस परियोजना का वित्तीय प्रबंधन भारत की ओर से किए जाने की बात कही गई थी। फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए 8 अक्टूबर 2021 को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय समझौता (एमओयू) हुआ था। इसके तहत भारत की आर्थिक और तकनीकी सहायता से सर्वे का काम आगे बढ़ाया गया। भारत ने वर्ष 2023 में ही इस रेलमार्ग का फाइनल लोकेशन सर्वे तैयार कर नेपाल सरकार से उस पर राय और सुझाव मांगे थे। भारतीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी 20 मार्च 2026 को राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया था कि रक्सौल-काठमांडू रेलमार्ग का फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा हो चुका है। उस समय उन्होंने इसकी लंबाई 136 किलोमीटर बताई थी। हालांकि, प्रधानमंत्री



शाह की भारत यात्रा के दौरान जारी जानकारी के अनुसार, सर्वे की नवीनतम रिपोर्ट में रेलमार्ग की लंबाई 140.79 किलोमीटर बताई गई है।

41 किलोमीटर हिस्से में बनेंगी सुरंगें

सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित रेलमार्ग का लगभग 41 किलोमीटर हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरेगा, जबकि शेष हिस्सा जमीन की सतह पर बनाया जाएगा। इस रेल परियोजना के तहत 122 छोटे और 101 बड़े पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। इनमें 18 लंबे और जटिल प्रकृति के पुल भी शामिल हैं। इन पुलों के ऊपर से रेल लाइन गुजरेगी। नेपाल के भौतिक पूर्वाधार विकास मंत्रालय ने फाइनल लोकेशन सर्वे के दौरान भारत को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए थे। नेपाल ने प्रस्तावित निजगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और खनन क्षेत्रों को प्रभावित किए बिना रेलमार्ग का डिजाइन तैयार करने का सुझाव दिया था।

बांग्लादेश में धरपकड़ तेज, ग्रामीण बैंक की शाखाओं पर हमले, पूर्व सांसद गिरफ्तार

ढाका (बांग्लादेश)

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में देश लौटने की घोषणा के बाद मची हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता के बाद घबराई सरकार ने विपक्षी नेताओं से मंत्रणा शुरू कर दी है। दूसरी ओर प्रतिबंधित अवामी लीग के नेताओं और अन्य के खिलाफ शिकंजा कसा जा रहा है। इस बीच अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने आरोप लगाया है कि नवंबर की शुरुआत से ही ग्रामीण बैंक की शाखाओं पर लगभग हर दिन पेट्रोल बम से हमले किए जा रहे हैं।

अकेले इसी महीने देश भर में बैंक की लगभग 100 शाखाओं पर इसी तरह से हमले किए गए हैं। इस सबके बीच पुलिस ने एक और पूर्व सांसद को गिरफ्तार किया है।

प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के जेस्सोर-6 निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व सांसद मो. अजीजुल इस्लाम को डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) पुलिस ने लालमाटिया से गिरफ्तार किया है। उन्हें गिरफ्तार किया गया। डीबी पुलिस के तेजगांव डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद अजीजुल इस्लाम को डीबी कार्यालय लाया गया।



गिरफ्तार पूर्व सांसद अजीजुल इस्लाम 33 वर्ष के हैं। उनका घर जेस्सोर के केशवपुर में है। डीबी पुलिस के अनुसार, जेस्सोर में अजीजुल के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। अजीजुल इस्लाम ने 2024 के 12वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में जेस्सोर-6 (केशवपुर) निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। उन्होंने अवामी लीग के उम्मीदवार और जेस्सोर जिला अवामी लीग के महासचिव शाहीन चकलादार को हराया था। माना जाता है कि अजीजुल इस्लाम को केशवपुर की पूर्व सांसद और पूर्व लोक प्रशासन राज्यमंत्री दिवंगत इस्मत आरा सादेक का समर्थन प्राप्त था। अजीजुल इस्लाम एक समय वे केशवपुर उपजिला में छात्र लीग के संयुक्त संयोजक थे। बाद में, वे जिला परिषद के सदस्य के रूप में चुने गए । बांग्लादेश में छात्र लीग अब प्रतिबंधित है। अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार प्रो. यूनुस ने ग्रामीण बैंक की शाखाओं पर हो रहे हमलों को रोकने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। प्रोफेसर के अनुसार, बैंक शाखाओं पर हमले के दौरान जय बांग्ला के नारे लगाए जा रहे हैं। इस माह अब तक 100 शाखाओं पर हमले हो चुके हैं। यूनुस ने ग्रामीण बैंक पर हो रहे लगातार हमलों को गरीब महिलाओं की सुरक्षा और आजादी, तथा उनके बच्चों के भविष्य पर सीधा हमला बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण बैंक के 1.1 करोड़ (11 मिलियन) कर्जदारों में से 97 प्रतिशत महिलाएं हैं। बैंक का लोन रिकवरी रेट 95 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा कि ये महिला कर्जदार ही बैंक की मालिक हैं। प्रोफेसर यूनुस ने यह भी स्पष्ट किया कि ग्रामीण बैंक के के 90 प्रतिशत शेयर कर्जदारों के पास हैं, जबकि बाकी 10 प्रतिशत शेयर सरकार के पास हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि अवामी लीग सरकार ने 2011 में उन्हें ग्रामीण बैंक के प्रबंध निदेशक के पद से हटा दिया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। आपको अपने रोमांच को नियंत्रित रखने की ज़रूरत है। नौकरी-पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज अपने जीवनसाथी का व्यहवार उतना अच्छा नहीं होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप जो शारीरिक बदलाव आज करेंगे, वे निश्चित तौर पर आपके रूप-रंग को आकर्षक बनाएगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको भारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है । लोग आपको अपने बढ़िया काम के लिए कार्यक्षेत्र में पहचानेंगे। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपको ऐसी परियोजनाएँ शुरू करनी चाहिए, जो पूरे परिवार के लिए समृद्धिलाएँ। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। अपने ज़रूरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। लगता है कि आपके विरष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। कोई रोचक मैगज़ीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने के मुश्किल आएगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहे। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी ऐतिहासिक इमारत के आस-पास सैर-सपाटे की योजना बनाएँ। इससे बच्चों और परिवार के सदस्यों को ज़रूरी ताज़गी मिलेगी। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। कोई आपका बेजा फ़ायदा उठा सकता है और उसे ऐसा करने देने के लिए आप ख़ुद से ही नाराज़ हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

क़ुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज़ दिमाग़ से नवाज़ा है- इसलिए इनका भरपूर इस्तेमाल कीजिए। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। काम के दबाव के चलते मानसिक उथल-पुथल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता

आज का पंचांग

दिनांक : 25 नवंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा सायं 04:52 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 08:37 तक
योग : शिव दोपहर 12:00 तक
करण : कौलव सायं 04:52 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:16 ,सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अशून्य शयन व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद तोड़फोड़ का आरोप

55 से 60 फीट सड़क चौड़ीकरण पर व्यापारियों में नाराजगी, 40 फीट तक विस्तार पर सहमति : कमल किशोर शारदा

पेद्दापल्ली, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली शहर में सड़क चौड़ीकरण का मामला विवादों में घिरता जा रहा है। पेद्दापल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष कमल किशोर शारदा ने आरोप लगाया कि अधिकारी हाईकोर्ट के आदेशों की परवाह किए बिना व्यापारियों एवं मकान मालिकों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापारी सड़क चौड़ीकरण के विरोध में नहीं हैं, लेकिन सभी के लिए एक समान मापदंड अपनाते हुए वैज्ञानिक तरीके से सर्वे किया जाना चाहिए।

सोमवार, 23 नवंबर को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कमल किशोर शारदा ने प्रभावित व्यापारियों एवं मकान मालिकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 55 से 60 फीट तक सड़क चौड़ी करने के नाम पर बिना पूर्व सूचना और नोटिस दिए संपत्तियों को तोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स का गठन दो वर्ष पहले व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए किया गया था, लेकिन अब अधिकारी संगठन के नाम का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर रहे हैं। यह प्रचार किया जा रहा है कि व्यापारी स्वेच्छा से अपनी संपत्तियां छोड़ने को तैयार हैं, जबकि शहर का कोई भी व्यापारी या मकान मालिक अपनी मर्जी से संपत्ति छोड़ने को तैयार नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि चैंबर के समझौते के नाम पर करोड़ों रुपये की संपत्तियों को जबरन तोड़ा जा रहा है।

40 फीट चौड़ी सड़क पर नहीं है आपत्ति

कमल किशोर शारदा ने कहा कि मौजूदा 18 फीट चौड़ी सीमेंट सड़क का वैज्ञानिक तरीके से दोबारा सर्वे कर उसे 40 फीट तक चौड़ा किया जाता है तो व्यापारियों को कोई आपत्ति नहीं है। व्यापारी भी इसमें सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इससे दो से ढाई मंजिला इमारतें बनाने का





अवसर मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों पर अलग-अलग समय पर 80, 60 और फिर 55 फीट सड़क चौड़ी करने की बात कहकर लोगों में भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि कुछ व्यापारियों एवं मकान मालिकों ने 55 फीट सड़क चौड़ीकरण की जानकारी मिलने पर स्वेच्छा से पीछे हटकर जमीन खाली की थी। हालांकि, वर्तमान में माप में असमानता दिखाई दे रही है। उन्होंने मांग की कि डाकघर के सामने कज्जापु चंद्रय्या के मकान के पास जिस माप पद्धति को अपनाया गया, उसी को सभी क्षेत्रों में लागू किया जाए। सभी के लिए समान मापदंड अपनाए जाने पर वे चौड़ीकरण कार्य में पूरा सहयोग करेंगे।

नोटिस और मुआवजे के बिना तोड़फोड़ पर सवाल

उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित होने वाले संपत्ति मालिकों को अब तक नोटिस नहीं दिए गए हैं। सरकारी नियमों के अनुसार प्रभावितों को न्याय और उचित मुआवजा सुनिश्चित करने के बाद ही तोड़फोड़ की कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ठेकेदार के माध्यम से काम शुरू कराने से पहले संपत्ति मालिकों के हितों की रक्षा करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2000-2001 में बनी इस सड़क पर वर्तमान में 18 फीट चौड़ी सीमेंट सड़क है। दोनों ओर सात-सात फीट के फुटपाथ मिलाकर कुल क्षेत्रफल लगभग 32 से 33 फीट है। उन्होंने पहले भी सड़क को 40 फीट तक चौड़ा करने का सुझाव दिया था।

पुलिस स्टेशन बुलाकर अपमानित करने का आरोप

कमल किशोर शारदा ने आरोप लगाया कि सड़क चौड़ीकरण कार्य की प्रगति पर सवाल उठाने के बाद नगर निगम आयुक्त और पुलिस की ओर से उन पर दबाव बनाया गया। उनके अनुसार, आयुक्त ने फोन कर पूछा कि काम क्यों रोका जा रहा है और चेतावनी दी कि वे विधायक तथा पुलिस निरीक्षक को बुलाएंगे।

उन्होंने बताया कि बाद में उन्हें पुलिस स्टेशन बुलाया गया, जहां पुलिस निरीक्षक ने उन पर लगे विभिन्न आरोपों को लेकर पूछताछ की। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया था और यदि उनके खिलाफ कोई आरोप थे तो उन्हें स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए था। इसके बजाय उनके साथ अपराधी जैसा व्यवहार किया गया और पुलिस स्टेशन में अपमानित किया गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य सड़क चौड़ीकरण में बाधा डालना नहीं है, बल्कि सभी प्रभावितों के साथ समान न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत में मामला लंबित होने के बावजूद अधिकारी काम जारी रखे हुए हैं और लोगों को धमका रहे हैं।

दीपोत्सव से जगमगाया पापम्मा मंदिर



मदनूर, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मदनूर स्थित ग्राम देवता पापम्मा मंदिर में स्थानीय महिलाओं ने संध्या समय दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। उल्लेखनीय है कि कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। इसे देवताओं की दीपावली कहा जाता है। इस अवसर पर चंद्रकला गड्डमवार, निकिता, अंजव्वा, मीरा कोनतमवार, शकुंतला रानी, कल्पना स्वामी, प्रेमला, अनुसया, एवते, शेषीकला, अनंता, शेषीकला एवं स्नेहा सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

श्रद्धा से मनी कार्तिक पूर्णिमा



मंचेरियाल, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के रल्लापेट स्थित श्री अभयांजनेय शिव पंचायतन सुब्रह्मण्येश्वर स्वामी मंदिर में मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सामूहिक सत्यनारायण स्वामी व्रत का आयोजन किया गया। साथ ही स्वामीजी का विशेष अभिषेक, अर्चना एवं पूजा-अर्चना संपन्न हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने परिवारों के साथ मंदिर पहुंचे और स्वामीजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूजा के बाद श्रद्धालुओं को तीर्थ एवं प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के सदस्यों, महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

चिकित्सकों से मिले विधायक



मदनूर, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक थोथा लक्ष्मी कांताराव ने मंगलवार को क्षेत्र के चिकित्सा अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। इस अवसर पर उन्होंने अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने वाले कर्मचारियों की विशेष रूप से सराहना की। विधायक ने नवनियुक्त चिकित्सा अधिकारियों को बधाई देते हुए कार्यभार संभालने में आ रही कठिनाइयों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से समर्पण भाव के साथ कार्य करने तथा सरकारी अस्पतालों में आम जनता का विश्वास बढ़ाने का आग्रह किया। साथ ही आश्वासन दिया कि चिकित्सा अधिकारियों की समस्याओं के समाधान के लिए वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। बैठक में जिला स्वास्थ्य केंद्र के श्रीनिवास, अधीक्षक आनंद जाधव सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।

कोंडागट्टू में उमड़े एक लाख श्रद्धालु



पेद्दापल्ली, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक पूर्णिमा, मासिक गिरि प्रदक्षिणा और गुरु नानक जयंती के अवसर पर मंगलवार को कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेय स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ा। राष्ट्रीय अवकाश होने और एक ही दिन कई विशेष पर्व पड़ने के कारण तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों से एक लाख से अधिक श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान के दर्शन किए। इसी अवसर पर यादगिरिगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी मंदिर की ओर से श्री कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी के लिए रेशमी वस्त्र लाए गए। मंदिर की परंपराओं के अनुसार अधिकारियों एवं पुजारियों ने पूरे सम्मान के साथ वस्त्र ग्रहण किए। विशेष पूजा-अर्चना के बाद रेशमी वस्त्र भगवान को अर्पित किए गए। इस कार्यक्रम में मंदिर के अधिकारी, पुजारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

देव दिवाली पर राधे-राधे ग्रुप ने की अन्नसेवा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास देव दिवाली के पावन अवसर पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सदस्यों ने श्रद्धा, भक्ति और सेवा भावना के साथ जरूरतमंदों को अन्नसेवा कर पर्व की खुशियां साझा कीं।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल ने कहा कि देव दिवाली केवल दीप प्रज्वलित करने और उत्सव मनाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक आस्था और सेवा-संस्कारों का प्रतीक भी है। पर्वों की वास्तविक सार्थकता तभी है,





जब हम अपनी खुशियों में जरूरतमंदों को भी सहभागी बनाएं। अन्नदान को भारतीय संस्कृति में श्रेष्ठ सेवा माना गया है। भूखे को भोजन कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी जाति-धर्म के भेदभाव के निस्वार्थ भाव से मानव सेवा करना है। सेवा के इस कार्य में प्रत्येक सदस्य का सहयोग और समर्पण महत्वपूर्ण है। ग्रुप का प्रयास है कि सेवा की यह परंपरा निरंतर आगे बढ़ती रहे और समाज में परोपकार, प्रेम तथा सहयोग की भावना मजबूत हो।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता एवं मनीष चिंडालिया सहित अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अन्नसेवा में सहयोग किया। सभी ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में मानवता और सामाजिक सद्भाव का संदेश प्रसारित करते रहेंगे।

काव्य कौमुदी चेतना हिंदी मंच का दीपावली मिलन कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। काव्य कौमुदी चेतना हिंदी मंच की ओर से रविवार, 22 नवंबर 2026 को शाम 6 बजे विशेष दीपावली मिलन कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक आयोजन में देश के विभिन्न शहरों से जुड़े कवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी विविध रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

सम्मेलन में दिल्ली से जुड़ी डॉ. सुदेश भाटिया ने श्री गुरु नानक देवजी के व्यक्तित्व एवं विचारों पर आधारित कविता भजन के रूप में प्रस्तुत की। हिंदी भाषा की विद्वान एवं बहुभाषी लेखिका डॉ. भाटिया ने हिंदी में दीपावली तथा भोजपुरी में हास्य से भरपूर रचना भी सुनाई।

दिल्ली की मीना चौहान ने जिंदगी के चार पहर और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करती सुंदर रचनाएं प्रस्तुत कीं। हैदराबाद की ए. मालारवि ने बेटियों और मायके को समर्पित अपनी दो रचनाओं का पाठ किया, जबकि रांची (झारखंड)



की सीमा साह ने मन और प्रकृति से संबंधित कविताएं सुनाईं। हैदराबाद की मोऊ मल्लिक दे ने 'दीपावली' तथा 'दर्पण और मैं' शीर्षक से अपनी कविताओं के माध्यम से जीवन की सच्चाइयों को उजागर किया।

बीकानेर (राजस्थान) के साहित्यकार डॉ. कृष्ण लाल बिश्नोई ने राजस्थानी भाषा में दीपावली और पकवानों पर हास्यपूर्ण कविता सुनाकर खूब मनोरंजन किया। उन्होंने 'रावण अभी मरा नहीं' शीर्षक से प्रभावशाली कविता प्रस्तुत करते हुए सामाजिक विसंगतियों पर कटाक्ष किया।

उन्होंने अपनी रचना के माध्यम से बताया कि लोग हर वर्ष रावण का पुतला तो जलाते हैं, लेकिन अपने भीतर के रावण को जीवित रखते हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कभी-कभी आस्था भी विडंबना का रूप ले लेती है।

डॉ. कुमुद बाला ने 'दीपावली-आलोक पर्व' विषय पर रचना तथा दक्खिनी भाषा में हास्य कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान दीपावली पर बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपायों पर भी चर्चा हुई। साथ ही फेसबुक के माध्यम से प्रबुद्ध नागरिकों में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

अंत में डॉ. कुमुद बाला ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके साथ ही साहित्य, हास्य, संस्कृति और सामाजिक चेतना से परिपूर्ण यह विशेष दीपावली मिलन कवि सम्मेलन संपन्न हुआ।

250 दंपतियों ने की सत्यनारायण पूजा



मदनूर, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के सलाबतपुर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक मास के पावन अवसर पर देवदया धर्मदया शाखा की ओर से मंगलवार को सामूहिक सत्यनारायण पूजा का आयोजन किया गया। पुरोहित अरविंद महाराज, विजय महाराज एवं शैलेन्द्र महाराज के मंत्रोच्चार के बीच करीब 250 दंपतियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हनुमान भक्त मंदिर पहुंचे और भगवान के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजकों की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। श्री एकता ग्रुप ट्रेवल्स, हैदराबाद की ओर से विशाल अन्नदान का आयोजन भी किया गया।

तेलंगाना, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी रामुलु, अधिकारी वेणु, कल्पना, मंदिर के पुजारियों एवं अन्य कर्मचारियों की देखरेख में कार्तिक मास की सत्यनारायण पूजा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

मंगल चातुर्मास परिवर्तन संपन्न

कार्तिक पूर्णिमा पर आचार्यश्री ने धर्मसभा में दिया मंगल मार्गदर्शन



सिरोही, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन रत्न रमेश पी. तातेड, सिरोही-सिकंदराबाद निवासी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर चातुर्मास परिवर्तन के तहत पूज्य आचार्यश्री जगच्चंद्रसूरीश्वरजी महाराज अपने समुदाय के साथ सुश्रावक श्री रमेशजी नैनमालजी सिंघी के निवास स्थान पर पधारे। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में आचार्यश्री ने धर्म के मर्म को समझाते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगल मार्गदर्शन प्रदान किया।

महावीरजी चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर नगर परिषद सभापति श्रीमती रितु पुनीत जैन ने भी आचार्यश्री के दर्शन-वंदन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में महावीरजी चौधरी, वीरूजी सिंघी, किशोरजी चौधरी, अम्बालालजी मोदी, महेंद्र सिंघी, प्रमोद मोदी, अखिलेश तातेड सहित सिरोही जैन संघ के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में रमेश पी. तातेड, डॉ. विवेक मोदी तथा उपस्थित सभी गणमान्यजनों ने सिंघी परिवार के प्रति मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए उनके इस धार्मिक आयोजन की अनुमोदना की।

तुलसी विवाह एवं दीपदान का आयोजन



बांसवाड़ा, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार शाम बांसवाड़ा शहर के शांति नगर कॉलोनी स्थित श्री रुक्मिणी साहित्य पांडुरंग स्वामी मंदिर में भगवान का विवाह मंदिर के पुजारी जपाला पांडुरंग शर्मा के सान्निध्य में विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मोती गोंगड़ी कार्यक्रम एवं पालकी सेवा धूमधाम से आयोजित की गई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने तुलसी विवाह, दीप पूजन एवं दीपदान किया। कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के सदस्यों, महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सड़क हादसे में युवक की मौत



बांसवाड़ा, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के मोहम्मद नगर मंडल के सिंगीथम गांव निवासी 43 वर्षीय नरसापुरम कृष्णा की सड़क हादसे में मौत हो गई। पिछले 10 दिनों से हैदराबाद के एक अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे कृष्णा ने रविवार को अंतिम सांस ली। कृष्णा कुछ समय से बांसवाड़ा शहर की टीचर्स कॉलोनी में रहकर लॉन्ड्री की दुकान चला रहे थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। उनकी मौत से कॉलोनी में शोक की लहर छा गई। स्थानीय लोगों ने सरकार से पीड़ित परिवार को हरसंभव आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है।

143 वर्षों की परंपरा के साथ मना अन्नकूट महोत्सव

श्री जगन्नाथ मठ में छप्पन भोग के दिव्य दर्शन, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया महाप्रसाद का पुण्य लाभ

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ मठ में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की असीम कृपा एवं पूज्य आचार्यों के मंगलाशीर्वाद से 23 नवंबर को भव्य अन्नकूट महोत्सव एवं छप्पन भोग दर्शन का श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी के दिव्य दर्शन कर छप्पन भोग का पुण्य लाभ प्राप्त किया। समस्त भक्तजनों के सहयोग एवं सहभागिता से पूरा आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ।

श्री जगन्नाथ मठ में अन्नकूट महोत्सव की लगभग 143 वर्षों से चली आ रही परंपरा आज भी उसी श्रद्धा और आस्था के साथ निरंतर निभाई जा रही है। यह परंपरा मठ की धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत का गौरव है। इस वर्ष विशेष रूप से छप्पन भोग तैयार करवाने के लिए जैतिपुरा से महाराज को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी के लिए विभिन्न प्रकार के पारंपरिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए। शुद्ध देसी घी से बनी मिठाइयां छप्पन भोग का विशेष आकर्षण रहीं। अगले दिन से भक्तों के बीच महाप्रसाद एवं मिठाइयों का वितरण किया गया।



आचार्यों का मंगलाशीर्वाद

इस पावन आयोजन को श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीमन्नारायण चिन्ना रामानुज जीयर स्वामीजी का मंगलाशासन प्राप्त हुआ। साथ ही वैकुंठवासी श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के शिष्य एवं वर्तमान श्री जगन्नाथ मठ के मठाधिपति जगद्गुरु अच्युत रामानुजाचार्य अजयन महाराज के सान्निध्य एवं आशीर्वाद में महोत्सव संपन्न हुआ। मठाधिपति अजयन महाराज ने भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की आरती कर समस्त भक्तों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

मुख्य छप्पन भोग सेवा के यजमान

मुख्य छप्पन भोग सेवा में श्री सुनील एवं श्रीमती निशा गुप्ता परिवार, श्रीमती रूपा कनोडिया, श्री नंदकिशोर अग्रवाल, श्री प्रमोद अग्रवाल, श्री शिवदत्त राय एवं प्रह्लाद राय, श्री रमेश बंग, श्री लक्ष्मीनारायण कैलाशचंद मनियार एवं समस्त भक्तवृंद का सहयोग रहा।

अन्नकूट महोत्सव के सहयोगी यजमान

महोत्सव में शोभाचंद शिवजी राम लोया, नरसिंहदास कासट, वीरेंद्र अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, चुन्नीलाल दुर्गाप्रसाद, बाला विद्या ट्रस्ट, दुलीचंद, गजानंद प्रमोद अग्रवाल, शिवदत्त राय एवं प्रह्लाद राय, शीतलाप्रताप त्रिपाठी, मदनलाल श्रीगोपाल सोनी, मनोहरलाल देवड़ा, संतोष देवड़ा, श्रीनिवास राधाबाई लोया, गुलाबचंद देवड़ा, गोपीकिशन बंग, कमलकिशोर कांकाणी, अशोक अग्रवाल, चुन्नीलाल बृजलाल बांगड़, विजय दीक्षित, कमलेश भांगड़िया, विनोद ट्रेडिंग कंपनी, लक्ष्मण शर्मा, लक्ष्मीनारायण कैलाशचंद मनियार, राजेश तोषनीवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, महेशचंद रुक्मणीबाई अग्रवाल, श्याम डालिया, रमेश मोदानी, जगदीश लोया, विष्णुकुमार अग्रवाल, कांता बाई अग्रवाल, सूरजचरण राधाकिशन कांकाणी, पवन ऑयल इंडस्ट्रीज, पूनमचंद अशोककुमार बांगड़, सुरेश मंजुला लाहोटी, घनश्यामदास मनु जोशी, बद्रीप्रसाद सारडा, नवल जाजू, जुगलकिशोर बल्दवा, जगन्नाथ भगवानदास जाजू, रामनिवास श्यामसुंदर लाहोटी, एस. मोहनलाल लोया, सत्यनारायण मुरलीमनोहर सारडा, श्रीमती रूपा मिश्रा, मदनलाल नरसिंहदास कासट, संपत वेणुगोपाल खंडेलवाल, राजाराम श्रीकांता, अरुणा किशोर अग्रवाल, रूपा कनोडिया, राजाराम श्रीकांतजी आशोपा, प्रभातीलाल प्रमोदकुमार गोयनका, दामोदरदास मनोजजी मूंदड़ा, नवीन प्रकाशजी, गोकुलदास सोनी, गोपीकिशन अरुणकुमार भांगड़िया, मुकुंददास पवनकुमार परतानी, भगवानदासजी बंग, माली बाबूलाल परमार, शांतिलालजी विजयकुमारजी, मामचंद राजेंद्र कौशिक, सुशीलकुमार अग्रवाल, भंवरलाल गोविंदजी असावा, गोपाल जाजू, घसीलालजी विष्णु अग्रवाल, मदनलालजी सत्यनारायण बंग, सत्यनारायण केशव संघी, मूलचंद नरमल डालिया, प्रवीण कुमार फिटकिरीवाल, पुरुषोत्तम रूपेशजी काकड़ा, बुरामल ओमप्रकाश अग्रवाल, जबरमल पूरनमल अग्रवाल, सुनील गुप्ता, बंजारा हिल्स, कमलकिशोर अग्रवाल परिवार, मुरलीमनोहर सारडा, निमिष अग्रवाल, कलकत्ता स्वीट हाउस, रमेश मोदानी, मातादीन सुरेशकुमार अग्रवाल, श्रीमती कुंतीबाई शर्मा, श्रीमती पूनमबाई रघुवीर, शंकरलाल अग्रवाल, पुरुषोत्तम लाडा एवं रमेश हेड़ा ने सहयोग प्रदान किया।

विभिन्न सेवाओं में भक्तों का योगदान

कार्यालय सेवा में आलोक शुक्ला, वेणुगोपाल खंडेलवाल, नंदकिशोर खंडेलवाल, नरसिंहदास कासट, प्रेम कांकाणी एवं गोपाल जाजू का योगदान रहा।

रसोई एवं महाप्रसाद सेवा में महावीर कैटरर्स, महावीर शर्मा, अर्जुनलाल अग्रवाल, आलोक प्रसाद तिवारी, राहुल किशोर अवस्थी, राजन गुप्ता, गौरव लोया, मधुबाला उपाध्याय, रूपेश प्रसाद तिवारी, पूजनबाई अग्रवाल, कांता अग्रवाल, दुर्गाप्रसाद दुबे, नितिन शर्मा, श्रीमती शिल्पा शर्मा, श्रीमती संगीता उपाध्याय, ओमप्रकाश लक्ष्मी तंवर, अनिरुद्ध अवस्थी, विष्णु कड़ेल, अमित मिश्रा, प्रमोद त्रिपाठी, रघुवीर सिंह, श्रीमती स्वीटी तिवारी, मोनू दुबे, देविका भाटी एवं राजू वर्मा ने सेवा दी।

विज्ञापन सेवा में रिद्धिश जागीरदार, हरिप्रसाद चांडक एवं जसमतभाई पटेल तथा सुंदरकांड सेवा में गोपीकिशनजी बंग, एस.डी. इवेंट्स, शत्रुघ्न शर्मा एवं बालाजी डॉक्टर का सहयोग रहा।

जगन्नाथ मठ परिवार एवं सहयोगी भक्तवृंद

इस भव्य आयोजन में जगन्नाथ मठ परिवार के सभी सदस्यों, सहयोगियों, यजमानों, दानदाताओं एवं भक्तजनों का विशेष योगदान रहा। मठ परिवार के सम्माननीय सदस्य एवं सहयोगी भक्तगण इस प्रकार हैं: गोपाल निर्मला सोनी, वेणुगोपाल कांता लोया, रामनिवासजी श्यामसुंदर लाहोटी, आलोक कुमार शुक्ला, हीरानंद रामसुख इन्नानी, नीरज सिंह यादव, महेंद्र सिंगनोदिया, हरिप्रसाद उमा चांडक, चंदूलाल पटवारी, भगवानदास चांडख, हरि चांडख, पंकज चांडख, जसमतभाई पटेल, कैलाश नारायण भोगड़िया, सत्यनारायण लोया, नारायणदास लोया, इंदुबाला लोया, नीता लोया, जगदीश संतोष लोया, वल्लभ निर्मला लोया, आनंद लोया, शकुंतला लोया, लक्ष्मीनिवास लोया, मुकेशकुमार लोया, सुखदेव श्रीनिवास लोया, पुरुषोत्तमदास लाहोटी, श्याम लाहोटी, पुरुषोत्तम लाहोटी, पवन लाहोटी, मंजू सुरेश लाहोटी, रामानंद लोया, डॉ. अनंत काबरा, गोविंद वीणा काबरा, द्वारकादास काबरा, रामनारायण काबरा, राजगोपाल काबरा, रामचंद्र किशनलाल काबरा, विनोद कुमार काबरा, द्वारकाप्रसाद शीला शर्मा, विष्णु शर्मा, श्रीराम शर्मा, हेमलता शर्मा, राकेश शर्मा, शिल्पा शर्मा, केदार शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, तुलसीबाई शर्मा, पवन शर्मा, रूपेश शर्मा, नारायण सुनील शर्मा, अनिल शर्मा, रामअवतार शर्मा, चेतन शर्मा, बलराम शर्मा, सुधीर शर्मा, दानू शर्मा, नितिन शर्मा, दास पवन भराड़िया, पवनकुमार केडिया, बद्रीप्रसाद सारडा, चुन्नीलाल बृजलाल बांगड़, गुलाबचंद देवड़ा, मनोहर देवड़ा, केसरमल देवड़ानंदू देवड़ा, अमित देवड़ा, नरसिंहदास कासट, पी. सुब्बाराव, रमेश गुप्ता, शोभा, सी.एच. रामनय्या, वरकुमार गुप्ता, विट्ठल, श्रीधर, वामशी, रामकृष्ण अंकी, अरुण ज्योति, दिव्य रमण चक्रवर्ती, साई रेड्डी, डॉ. दीनबंधु अग्रवाल, सोहनलाल अग्रवाल, कमल अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल, शशिकांत अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, गोविंदराम अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, उषा अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, इंदु अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, अरविंद केडिया, भीम अग्रवाल, अमित अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, जगदंबा अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, नंदू अग्रवाल, विजय अग्रवाल, अनिरुद्ध अग्रवाल, सुरेशकुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, कांता बाई अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, ललिता रमेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, स्नेहलता अग्रवाल, भरत अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, पवनकुमार अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अर्शी अग्रवाल, चंदूलाल अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, महावीरप्रसाद अग्रवाल, छाया अग्रवाल, हार्दिक अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, बैजूलाल अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, भीमसेन अग्रवाल, संजय अग्रवाल, कैलाशचंद अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, शकुंतला नावंदर, देवकिशन नावंदर एवं भरत कलंत्री।

जयसुदर्शन, कांता नरेडी, सुनीता चौधरी, रिदेश तोरल जागीरदार, सुरेश चियानी, तरुण मेहता, भगवानदास गिल्डा, कलावती जाजू, मुरलीधर दार मोदानी, रमेशकुमार मोदानी, पद्मा मोदानी, लीला हेड़ा, अमिता हेड़ा, कृष्णा हेड़ा, रवि हेड़ा, रेखा धूत, कमलेश मोहनिया गुप्ता, रमेश भालोटिया, रवींद्रकुमार भालोटिया, कमलकिशोर कांकाणी, नथमल कैलाश डालिया, श्रीनिवास डालिया, राम भंडारी, गोपाल भंडारी, संपत वेणुगोपाल खंडेलवाल, ओमप्रकाश खंडेलवाल, जगदीश खंडेलवाल, नंदू खंडेलवाल, रत्ना खंडेलवाल, प्रदीप खंडेलवाल, मुकेश खंडेलवाल, पुरुषोत्तम लाला महाराज, महावीरप्रसाद जोशी, सुनीता गौड़, मंजू केडिया, पद्मा केडिया, बृजगोपाल भुटाड़ा, रूबी मिश्रा, अनिल मिश्रा, श्यामसुंदर मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, सोनू मिश्रा, अमित मिश्रा, डॉ. अशांक मिश्रा, भगवान पंसारी, गोपीकिशन बंग, विनोद बंग, रमेश संतोष बंग, श्याम बंग, विजया बंग, रामेश्वर बंग, रमेशकुमार बंग, अशोक कुमार बंग, वेणुगोपाल बंग, रामनुजा बंग, कैलाशचंद्र मनियार, बृजगोपाल जाजू, श्यामसुंदर दयामा, सुनीता टोंडावाले, पूजा बैंग, संतोषबाई दिल्ली वाले, अवंतिका गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, वेणुगोपाल जाजू, बालाप्रसाद सूर्यकांत नावंदर, दुर्गाप्रसाद दुबे, दीपा दुबे, अशोक कुमार दुबे, राजेश केडिया, लक्ष्मीनिवास असावा, भगवानदास सांखला, प्रमोदकुमार भुवानिया, मदनमोहन दरक, राधाकिशन भूतड़ा, बंकटलाल हरिनारायण राठी, लक्ष्मीनारायण राठी, गोविंदलाल राठी, पद्मा राठी, भंवरलाल गोविंद असावा, सतीश जाजू, चंपालाल जाजू, वेणुगोपाल जाजू, जगन्नाथ जाजू परिवार, नवल जाजू, राजगोपाल जाजू, अशोक जाजू, अवधेश दयामा, अनिल बजाज, अरुणा राकेश गुप्ता, प्रवीण फिटकिरीवाल, प्रकाशचंद विजयवर्गीय, जयपाल सिंह, विष्णु कड़ेल, पप्पू पाटिल, श्यामसुंदर वर्मा, सत्यनारायण शोभादेवी बालोदिया, प्रभातीलाल गोयनका, रामदेव नागला, हरिकिशन ओझा, मनोज जोशी, एस.के. बियानी, अनिल भांगड़िया, सुरेश बियानी, प्रमोद कुलदीप व्यास, गोपाल बल्दवा, जुगलकिशोर बल्दवा, राजहंस राय वर्मा, आलोकप्रसाद तिवारी, द्वारिकाप्रसाद तिवारी, शीतलाप्रसाद तिवारी, रूपेशप्रसाद तिवारी, विनय तिवारी, शत्रुघ्न तिवारी, वेदप्रकाश तिवारी, कलावती दिलीप तिवारी, शशिकांत तिवारी, धीरज शुक्ला, श्रीनिवास शुक्ला, प्रभास शुक्ला, सुधीर शुक्ला, यादवेश शुक्ला, वेद शुक्ला, प्रशांत पांडे, बलवीर पांडे, विनोद पांडे, शबोहा पांडे, हनुमानप्रसाद प्रेमा दयामा, घनश्यामदास राठी, सुधा गनेरीवाल, लता लाहोटी, करुणा, सरशीबाई राठी, अन्नपूर्णा राठी, नीलम नारनिया, सुमनलता दीवान, भावना ओझा, प्रवीण चर्या, जितेंद्र अवस्थी, राहुल अवस्थी, अनिरुद्ध अवस्थी, राजन गुप्ता, संतोष देवड़ा, रमेश हेड़ा, पुरुषोत्तम लाडा, मुकुंददास परतानी, लाला महाराज मंगलहाट, चिदंबरम महाराज, गोवर्धन गिरधराचारी महाराज, रघु महाराज, कन्हैयालाल ओझा, हनुमानप्रसाद डागा, सुरेश मधुबाला उपाध्याय, गोकुलचंद उपाध्याय, राजेंद्र झंवर, देवकरण जांगिड़, मिट्ठालाल, दामोदरदास मूंदड़ा, गोविंद मुंडा, मोहन मुंडा, बृजगोपाल मूंदड़ा, ओमप्रकाश मंगला मुंडा, नारायणदास मुंदड़ा, गोपाल मुंदड़ा, मुरारीदास मुंदड़ा, गोकुल मुंदड़ा, किरण मुंदड़ा, गोपाल मुंदड़ा, प्रेमकुमार कांकाणी, बाबूलाल परमार, विजय दीक्षित, ओमप्रकाश तंवर, महावीर महाराज, माधुरी मरदा, हेमंत सारडा, हरिनारायण व्यास, श्रीगोपाल व्यास, लक्ष्मीनारायण व्यास, किरण व्यास, अक्षय रामानुज, अशोक डागा, केशवलाल डागा, नितेश चौधरी, मुकेशकुमार जैन, रविकुमार जैन, राजेश तोषनीवाल, धीरज डागा, बालकिशन झंवर, किरण मालपानी, विजय माहेश्वरी, तालाराम माली, गोकुल सिंह, रूपचंद जोशी, प्रदमा सारडा, राजेश भाटी, रामानुज बंग, आशीष दीक्षित, बी.एल. सोनी, धनराज सोनी, नवनीत सोनी, जुगलकिशोर सोनी, दिनेश लाहोटी, शशिकांत सोनी, शैलेश सित्तल सोनी, योगेश सोनी, गोकुलदास सोनी, दिनेश सोनी, किशोरमल माली, तुलसीराम बंसल, परमानंद बंसल, विक्रम स्नेह चांडक, नवनीत सोमानी, एल.एन. श्रीनिवास, सिद्धार्थ गिल्डा, पन्नालाल भाटी, मांगीलाल कुमार, सुषमा गुप्ता, सुनील गुप्ता, आशीष काकड़ा, रूपेश काकड़ा, गोपाल काकड़ा, बृजमोहनदास बजाज, सपना भाटी एवं सूर्या सिंह।

अनुपम सारडा, पूनमबाई, तनुजा व्यास, माधवी, श्रीक्षा, प्रवीणचारी, नवीन कुमार, अर्चना सोरेवाले, घनश्याम झंवर, बसंत भागड़िया, नरेंद्र योग गुरु, पुष्पा गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, सपना गुप्ता, घनश्यामदास बजाज, लक्ष्मीकांत बजाज, निर्मला बजाज, दामोदर बजाज, सुरेंद्र बजाज, विजय सारडा, नीता परतानी, निर्मला कांकाणी, जगदीश कांकाणी, रुचि कांकाणी, मंजूकांकाणी, रामनिवासजी कांकाणी परिवार, संतोष कांकाणी, लक्ष्मीकांत इन्नानी, कमलकिशोर राठी, अमित लड्ढा, मुकुंददास परतानी, धरमराम ढाका, उदित पित्ती, हरिदर्शन स्वामीजी, कमलेश स्वामीजी, पीतांबर पुरोहित, देवेंद्र झावर, नवल झावर, राजेंद्र झंवर, बालकिशन झंवर, शर्मिला मालानी, राजेशकुमार तोतला, भागीरथ गोविंद अटल, मुरलीमनोहर पलोड़, संगीता सारडा, कैलाश पूजा गिलड़ा, कनियालाल सारडा, विमल तोषनीवाल, बालाप्रसाद लढ़ा, पुरुषोत्तम विजयकुमार झंवर, नरेश भूतड़ा, प्रमोदकुमार रोहित राठी, संदीप लढ़ा, राजेश शर्मा लालूबाई, मितालालजी प्रजापति, स्वीटी तिवारी, मोनी दुबे, हेमा काकड़ा एवं सुदर्शन सिंह का भी विशेष सहयोग रहा।

इसके अतिरिक्त अन्य मठों एवं विभिन्न समाजों से पधारे समस्त संत-महात्माओं, भक्तों, मातृशक्ति, युवा साथियों एवं सेवाभावी परिवारों का भी हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

धन्यवाद एवं आभार

श्री जगन्नाथ मठ परिवार की ओर से सभी यजमानों, दानदाताओं, सहयोगियों, सेवाकारियों, रसोई व्यवस्था में लगे कार्यकर्ताओं तथा कार्यालय सेवा, सुंदरकांड सेवा एवं विज्ञापन सेवा से जुड़े सभी सदस्यों का हृदय से आभार एवं अभिनंदन किया गया।

प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले प्रत्येक भक्त के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

मठ परिवार ने कहा कि सभी के सहयोग से भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी का यह भव्य अन्नकूट महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हम सभी भगवान के सेवक हैं और प्रभु की सेवा का अवसर प्राप्त होना ही हमारे लिए सबसे बड़ा सौभाग्य है। भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी सभी भक्त परिवारों पर अपनी कृपा एवं आशीर्वाद बनाए रखें तथा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं भक्ति का संचार करें।

साधु वासवानी मिशन की 60वीं रथयात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

-प्रेम, करुणा, अहिंसा और जीवमात्र के सम्मान का दिया संदेश; 147वीं जयंती पर निकली पांच किलोमीटर लंबी भव्य शोभायात्रा

पुणे, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेम, करुणा, शांति और समस्त जीवों के प्रति सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से साधु वासवानी मिशन की 60वीं वार्षिक रथयात्रा भव्य रूप से आयोजित की गई। आध्यात्मिक विभूति एवं महान मानवतावादी गुरुदेव साधु टी.एल. वासवानीजी की 147वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस रथयात्रा ने पुणे की छह दशक पुरानी आध्यात्मिक परंपरा को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

जनसंपर्क अधिकारी नरेश सिंघानी ने बताया कि मिशन परिसर से प्रारंभ हुई लगभग पांच किलोमीटर लंबी शोभायात्रा पुणे कैंप के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। काउंसिल हॉल, पूना क्लब, दोराबजी, बाबाजान चौक और महात्मा गांधी रोड सहित विभिन्न प्रमुख स्थलों पर शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभिन्न आयु वर्गों एवं सामाजिक पृष्ठभूमियों के लोगों ने गुरुदेव को श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके प्रेम, करुणा, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति आदरभाव के संदेश को आत्मसात किया।वर्ष 1966 में प्रारंभ हुई यह रथयात्रा आज पुणे की विशिष्ट धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा बन चुकी है। इस वर्ष विशेष रूप से सुसज्जित रथ पर पूज्य गुरुदेव साधु टी.एल. वासवानीजी की जीवंत प्रतिमा तथा पूज्य दादा जे.पी. वासवानीजी का चित्र विराजमान था। रथ के साथ भजन-कीर्तन मंडलियों और शाकाहार तथा मांसाहार-मुक्त जीवनशैली का संदेश देने वाली आकर्षक झांकियां शामिल थीं। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा। 'विश्व शांति के लिए चले हैं हम शांति मार्ग पर' जैसे प्रेरणादायी भजन गूंजते रहे। युवाओं ने संदेश-परक तख्तियां लेकर मानवता, शांति और अहिंसा का संदेश दिया। 'सभी प्रकार की हत्याएं बंद करो' जैसे नारों के माध्यम से हिंसा-मुक्त विश्व का आह्वान किया गया।

साधु वासवानी मिशन की ग्लोबल हेड पूज्य दीदी कृष्णा कुमारी ने श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य को पशुओं से अलग करने वाली सबसे बड़ी विशेषता उसकी चयन करने की क्षमता है। मनुष्य के पास प्रेम अथवा घृणा, निःस्वार्थता अथवा स्वार्थ और संरक्षण अथवा हिंसा में से किसी एक को चुनने का विवेक है। इसलिए इस विवेक का उपयोग समस्त जीवों के प्रति प्रेम, दया और करुणा प्रकट करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि अहिंसा केवल विचार या सिद्धांत तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे व्यवहार, आहार और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बने। प्रत्येक जीव के प्रति संवेदना और सम्मान ही सच्ची मानवता की पहचान है। रथयात्रा का एक प्रमुख उद्देश्य 25 नवंबर को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मांसाहार-मुक्त दिवस के प्रति जनजागृति फैलाना भी था। गुरुदेव साधु टी.एल. वासवानीजी की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस प्रेम, करुणा और अहिंसा के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है। इसके माध्यम से लोगों को मांसाहार एवं हिंसा से जुड़े खाद्य पदार्थों का त्याग कर संवेदनशील, करुणामय और शाकाहारी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। भारतीय संस्कृति की सेवा एवं प्रसाद वितरण परंपरा के तहत रथयात्रा मार्ग में राहगीरों और श्रद्धालुओं को रेवड़ी एवं लंगर प्रसाद वितरित किया गया।



जनसंपर्क अधिकारी नरेश सिंघानी के अनुसार, साधु वासवानी रथयात्रा पुणे की प्रतिष्ठित वार्षिक आध्यात्मिक परंपरा है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1966 में हुई थी। गुरुदेव साधु टी.एल. वासवानीजी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित यह यात्रा समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में जोड़ती है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रेम, शांति, सेवा, करुणा, अहिंसा और समस्त जीवों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित करना है।

गुरुदेव साधु टी.एल. वासवानीजी (1879-1966) प्रख्यात शिक्षाविद्, दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी चिंतक थे। उनका संपूर्ण जीवन प्रेम, सेवा, त्याग और करुणा के आदर्शों को समर्पित रहा। प्रत्येक जीव के प्रति उनके हृदय में असीम प्रेम और संवेदना थी। उनके सान्निध्य में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति उनके दिव्य व्यक्तित्व, आत्मीयता और प्रेमपूर्ण ऊर्जा से प्रभावित होता था।

गुरुदेव साधु वासवानी का संदेश था कि जीवन के प्रति श्रद्धा का अर्थ समस्त जीवों और संपूर्ण ब्रह्मांड से प्रेम करना है। यह श्रद्धा हमें किसी को भी पीड़ा न पहुंचाने की प्रेरणा देती है। पीड़ा तीन प्रकार से दी जाती है-विचारों से, शब्दों से और कर्मों से। इसलिए मनुष्य को अपने विचार, वाणी और व्यवहार में करुणा एवं संवेदनशीलता बनाए रखनी चाहिए।

जनसंपर्क अधिकारी नरेश सिंघानी के अनुसार, प्रत्येक वर्ष 25 नवंबर को गुरुदेव साधु टी.एल. वासवानीजी की जयंती के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय मांसाहार-मुक्त दिवस मनाया जाता है। पूज्य दादा जे.पी. वासवानीजी द्वारा वर्ष 1986 में प्रारंभ की गई इस वैश्विक पहल का उद्देश्य विश्वभर में करुणा, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर लोगों से मांसाहार का त्याग कर शाकाहारी जीवनशैली अपनाने तथा सभी जीवों के प्रति दया और संवेदनशीलता रखने का आह्वान किया जाता है।

बढ़ती उम्र से संबंधित बीमारियों को दूर भगाता है

मेडिटेशन



कहते हैं कि समय का पहिया किसी के लिए नहीं रूकता। समय के साथ जैसे-जैसे उम्र बढ़ने लगती हैं, मनुष्य को बहुत सी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। खासतौर से, वर्तमान युग की जीवनशैली को देखते हुए कम उम्र में ही ढेरों बीमारियां भी मनुष्य के शरीर को अपना घर बना लेती हैं। इन सब परेशानियों से निजात पाने के लिए आपको महंगे व दर्दनाक ट्रीटमेंट करवाने पड़ते हैं। लेकिन यदि आप मेडिटेशन का सहारा लें तो आपको बिना किसी दर्द के अपने सभी मर्ज का इलाज मिल जाएगा। मेडिटेशन आपके सिर्फ तन को ही नहीं, बल्कि मन को चुस्त-दुरूस्त बनाकर आपको हर तरह से फिट बनाता है। इसे कहते हैं हींग लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा।

फायदों की खान

मेडिटेशन एक ऐसी दवा की तरह काम करता है, जिसके जरिए बाहरी व भीतरी हर तरह के मर्ज का इलाज किया जा सकता है। इसके फायदों की तो कोई गिनती ही नहीं है। इससे आपकी एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही इससे दिमाग भी तेज और एक्टिव होता है। यह आपके एजिंग के साइन्स को कम करके आपको लंबे समय तक जवां बनाता है। इतना ही नहीं, आपकी इम्युनिटी को बढ़ाकर हर प्रकार की बीमारी से लड़ने में मदद करता है। अगर आपको बहुत अधिक गुस्सा आता है तो मेडिटेशन आपके गुस्से पर भी लगाम लगाता है। अगर आप हर रोज मेडिटेशन करते हैं तो आपको नींद भी अच्छी आती है। जिससे आपका पूरा दिन खुशहाल बीतता है।

न तोड़ें रूटीन

अगर आप वास्तव में चाहते हैं कि आपको मेडिटेशन का फायदा मिले तो इसके लिए आपको मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करना होगा। आप चाहे कितने भी व्यस्त क्यों न हो, लेकिन खुद के लिए पांच मिनट निकालना तो आपके लिए असंभव नहीं होगा। मेडिटेशन रोजाना करना बेहद आवश्यक है। कभी-कभार करने से कोई फायदा नहीं होने वाला।

यूं करें मेडिटेशन

मेडिटेशन करने के लिए आपको सबसे पहले रिलैक्स होना सीखना होगा। इसके लिए आप आराम से लेट जाएं और आंखें बंद कर लें। फिर गहरी सांस लें। इसके पश्चात् अपने सीधे पैर पर सारा ध्यान ले जाएं। पंजे को आगे और पीछे की ओर खींचें। एक बार खींचने पर दो बार गहरी सांस लें और छोड़ें। इतनी देर तक पंजे को उसी पॉजिशन में रखें। इसके बाद पैर के तनाव को रिलीज कर दें। फिर गहरी सांस लें और उल्टे पैर के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं। पूरी बॉडी को रिलैक्स करने के लिए आप शरीर के हर भाग मसलन, टखना, घुटना, कोहनी, हथेली आदि के साथ भी यही प्रक्रिया करें। धीरे-धीरे आप पूरी बॉडी को रिलैक्स करना सीख जाएंगे। इस प्रक्रिया को करने के लिए आपको सिर्फ पांच मिनट लगेंगे। आप चाहें तो रिलैक्स होने के लिए मेडिटेशन के दौरान कोई सॉफ्ट म्यूजिक भी लगा सकते हैं।

चुटकी में होगा वेट लॉस

अगर अपनाएंगे ये टिप्स..



वेट लॉस करना आज की जरूरत बन गया है. जहां एक और फिटनेस के लिए यह बहुत जरूरी है कि आप फिट रहें वहीं मोटापा आपको कई बीमारियों की गिफ्त में भी ले लेता है. लेकिन वजन बढ़ाना जितना आसान है उसे कम करना उतना ही मुश्किल. आपने कई लोगों के मुंह से सुना भी होगा कि तमाम कोशिशें करने के बावजूद उनका वजन कम नहीं होता. ऐसे में अगर आप अपनी बिजी शैडयूल से थोड़ा-सा समय निकालकर इन छोटे-छोटे टिप्स को ट्राई करते हैं तो आप अपने वजन को कंट्रोल कर सकते हैं.

अगर आप अपना वज़न घटाना चाहते हैं तो अपनी डाइट में से पोषक तत्वों को न हटाएं. अपने आहार में चैरी, रसीले अंगूर या हरे मटर शामिल करें. कभी भी ब्रेकफास्ट करना न भूलें. ब्रेकफास्ट में अपने पसंदीदा फलों को शामिल करें. वज़न घटाने के लिए हैवी डाइट की बाजए लाइट डाइट लें. अंकुरित चीज़ें खूब खाएं. दिन के खाने में दाल ज़रूर लें. इससे आपके शरीर में प्रोटीन की मात्रा की कमी नहीं होगी और वज़न भी घटने लगेगा.

वज़न घटाने में तली हुई चीज़ें जैसे- आलू के चिप्स, कुकीज सबसे ज़्यादा बाधक होती हैं. इनका इस्तेमाल कम से कम करें. फास्ट फूड जैसे- बर्गर, पिज़्ज़ा की बजाए सलाद, फ्रुट जैसी चीज़ों को अपनी डाइट में शामिल करें.

वज़न घटाने के लिए संतुलित आहार के साथ एक्सरसाइज करना भी बहुत जरूरी है. अगर आपको स्विमिंग पंसद है तो वज़न घटाने के लिए इससे अच्छी एक्सर्साइज़ दूसरी नहीं हो सकती. इसके अलावा मॉर्निंग वॉक, रस्सी कूदने से भी आप वज़न कम कर सकते हैं. इसके अलावा योग की भी मदद ली जा सकती है.

खाने में फाइबर युक्त भोजन लें, जैसे बीन्स, ब्राउन राइस, नट्स आदि. यह आपके शरीर को कोलेस्ट्रोल से बचाता है और उसे आपके शरीर से बाहर निकालता भी है. फाइबरयुक्त भोजन आपके शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी को भी बर्न करता है.

कई लोगों को लगता है कि बार-बार खाने से वज़न बढ़ता है, इसलिए वे एक साथ ही ज्यादा भोजन कर लेते हैं. लेकिन यह सोच गलत है. ऐसे में ज्यादा भूख लगती है और लोग ज्यादा कैलोरी ले लेते हैं. इसलिए दिन में थोड़ी-थोड़ी देर पर कुछ ना कुछ खाते रहना चाहिए.

कुछ लोग हफ्ते में 5-6 दिन संतुलित आहार लेते हैं, पर हफ्ते में एक दिन वे जमकर खाते हैं. उन्हें लगता है कि एक दिन खुलकर खाने से कोई फर्क नहीं पड़ता. लेकिन ये सोच गलत है. इससे एक ही दिन में हफ्ते भर में कम की गई कैलोरी शरीर में लौट आती है. ज्यादातर लोगों को मीठा पंसद होता है. लेकिन ज्यादा मीठा खाना वज़न घटाने वाले लोगों के लिए नुकसानदेह हो सकता है. मीठे के तौर पर गुड़, खजूर, सौंफ या फिर किशमिश खाएं. सौंफ खाना डाइजेस्ट करने में भी मदद करती है. ज़्यादातर लोग दिन की शुरूआत कॉफी या चाय से करते हैं, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक होती है. सुबह उठते ही नींबू पानी, नारियल पानी या जूस लेना, वज़न घटाने में काफी फायदेमंद साबित होता है.

वज़न घटाने में पानी काफी मददगार होता है. आप अपने ब्रेकफास्ट में संतरे का जूस ले सकते हैं, लेकिन बाकी पूरे दिन केवल पानी ही लें. डिब्बाबंद जूस और सोडा लेने से भी परहेज़ करें. इनके स्थान पर आप नींबू पानी या फिर नारियल पानी ले सकते हैं.

सपने में दिखाई दें ये चीजें तो समझ जाएं...!

सब लोग सपने देखते हैं। गहरी नींद में हसीन सपने देखना सबको अच्छा लगता है। कुछ लोग तो नींद में देखे गए सपनों का मतलब हकीकत से भी निकालते हैं। वैसे तो कहा जाता है कि जो सारा दिन हमारे दिमाग में चलता हैं या किसी बात और इंसान को लेकर तनाव होता है,वहीं सपनों में आता है। दूसरी तरफ अगर मान्यताओं की मानें तो सपने आने वाली घटनाओं की ओर संकेत करते हैं। इन्हीं मान्यताओं के अनुसार कुछ ऐसे सपनों की बात करते हैं,जिससे यह माना जाता है कि आपके घर में जल्दी ही नन्हें मेहमान की किलकारियां गूंजने वाली हैं।



सांप : सांप को देखकर वैसे तो डर लगता है लेकिन अगर सांप सपने में देखना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि सपने में अगर सां दिखे तो आपके घर नन्हा मेहमान आने वाला है।

आईना : सपने में आईना देखें तो इसका मतलब भी संतान सुख लगाया जाता है। अगली बार आप भी अगर सपने में आईना देखें तो खु हो जाएं। मान्यताओं के अनुसार आप मां बनने वाली हैं।

आम : कहा जाता है कि सपने में फल देखने का संकेत आपकी गो भरने वाली है। आम के पेड या आम देखने का मतलब आपकी जिंद में बड़ी खुशी आने वाली है।

इमली : सपने में इमली देखना शुभ माना जाता है। यह भी मां बन की ओर संकेत करती है। इस तरह का सपना देखने पर कहा जाता है कि गोद भरने वाली है।

लाल फूल : फूलों का देखना या किसी का आपको फूल देना बहु अच्छा माना जाता है। कहा जाता है कि अब परिवार बढ़ने वाला है।

नाखून : बढ़े हुए नाखून सपने में दिखें तो माना जाता है कि निःसंत दंपत्ति को संतान सुख मिलने वाला है।

हरे-भरे खेत : सपने में हरियाली देखना बहुत शुभ माना जाता है कहते हैं कि यह कारोबार और संतान बढ़ौतरी के लिए अच्छा संकेत है

इस बारे में हम तो नहीं जानते कि यह सपने संतान सुख देते हैं नहीं लेकिन मान्यताओं के अनुसार इन्हें शुभ माना जाता है।

कराची बेकरी एन कैफे का कोम्पल्ली में शुभारंभ

अभिनेत्री दिवि सहित कई सेलिब्रिटीज ने की शिरकत

बेकरी के साथ कैफे और रेस्टोरेंट की भी सुविधा

बिस्किट, चॉकलेट, मिठाइयों और प्लम केक की मिलेगी विशेष रेंज

प्रतिष्ठित कराची बेकरी ने हैदराबाद के कोम्पल्ली में अपने नए कराची बेकरी एन कैफे का शुभारंभ किया। यहां ग्राहकों को मशहूर बेकरी उत्पादों, मिठाइयों, चॉकलेट्स के साथ कैफे और रेस्टोरेंट की सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। भव्य उद्घाटन समारोह में लोकप्रिय अभिनेत्री दिवि सहित कई सेलिब्रिटीज और खानपान के शौकीनों ने शिरकत की।





नए आउटलेट में कराची बेकरी के प्रसिद्ध उस्मानिया बिस्किट, फ्रूट बिस्किट, विभिन्न प्रकार के कुकीज, केक, पेस्ट्री और नमकीन उपलब्ध होंगे। इसके अलावा कोकोआटिनी की चॉकलेट्स, गिल्ट-फ्री विकल्पों तथा रसभर के पारंपरिक मिठाइयों की भी विशेष रेंज पेश की गई है।

इस आउटलेट का प्रमुख आकर्षण विशाल रेस्टोरेंट है, जहां पर्याप्त बैठने की व्यवस्था के साथ कैफे मेन्यू में विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध होंगे। परिवार के साथ भोजन, दोस्तों के साथ मुलाकात और विशेष आयोजनों के लिए यह उपयुक्त स्थान होगा। क्रिसमस के मद्देनजर यहां विशेष प्लम केक, चॉकलेट्स, केक और आकर्षक गिफ्टिंग विकल्प भी उपलब्ध कराए गए हैं।

तीनों संचालकों की पहल

कराची बेकरी के संचालक राजेश रामनानी, हरीश रामनानी और विजय रामनानी ने कोम्पल्ली में ब्रांड के पारंपरिक स्वाद के साथ कैफे एवं रेस्टोरेंट की विस्तारित सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। नया आउटलेट आसपास के क्षेत्रों के परिवारों, दोस्तों और खानपान प्रेमियों के लिए खास आकर्षण बनने की उम्मीद है।

नवथा सिल्क्स का भव्य उद्घाटन कल

फैशन शो के जरिए हुआ तारीख का ऐलान, 10 हजार से अधिक साड़ियों के डिजाइन उपलब्ध

नवथा सिल्क्स के जुबली हिल्स स्थित विशाल शोरूम का भव्य उद्घाटन 26 नवंबर 2026 को सुबह 10 बजे किया जाएगा। उद्घाटन की तारीख की आधिकारिक घोषणा के अवसर पर आयोजित विशेष फैशन शो में मॉडलों ने आकर्षक साड़ियों का प्रदर्शन किया। इसमें पारंपरिक भारतीय बुनाई, आधुनिक फैशन और आकर्षक डिजाइनों की झलक देखने को मिली। शोरूम में 10 हजार से अधिक साड़ियों के डिजाइन उपलब्ध होंगे। इनमें विशेष हैंडलूम, प्रीमियम सिल्क, ब्राइडल, त्योहारों एवं आधुनिक डिजाइनों की साड़ियों का विस्तृत संग्रह किफायती कीमतों पर मिलेगा। उद्घाटन समारोह के अवसर पर नवथा सिल्क्स ने विशेष ऑफर की घोषणा की है। इसके तहत प्रत्येक 20 हजार रुपये की खरीदारी पर ग्राहकों को एक मुफ्त सोने का सिक्का दिया जाएगा।



नवथा सिल्क्स का उद्देश्य आकर्षक डिजाइनों, पारंपरिक शिल्पकला और किफायती कीमतों के साथ हैदराबाद में साड़ी खरीदारी का नया अनुभव प्रदान करना तथा साड़ी प्रेमियों के लिए पसंदीदा फैशन डेस्टिनेशन बनना है।

संपादकीय

पीएम की चिंता का सरोकार

बेशक भारत विश्व में सबसे तेज गति से बढने वाली अर्थव्यवस्था है। हमारी विकास दर 7 फीसदी या उससे अधिक बताई जाती है, लेकिन ऐसा महसूस नहीं होता कि हम वाकई ऐसी गति से बढ़ रहे हैं! ऐसा इसलिए हो सकता है, क्योंकि जब चीन विकास के इसी स्तर पर था, प्रति व्यक्ति आय भी लगभग इतनी ही थी, तब भी उसकी आय 11-14 फीसदी के औसत से बढ़ी। आखिर चीन में इतनी तेज गति से विकास कैसे हुआ, यह सवाल औसत भारतीय की भी जिज्ञासा होगा। इसका औसत ही जवाब है-जबरदस्त घरेलू मांग और खपत। यह बेहतर, सशक्त मजदूरी या वेतन अथवा मेहनताने के बिना संभव नहीं था। चीन ने साल-दर-साल श्रम के बदले पारिश्रमिक बढ़ाया, नतीजतन लोगों की क्रय-शक्ति बढ़ी, लिहाजा मांग और खपत भी बढ़े। भारत के प्रधानमंत्री मोदी की चिंता का सरोकार यही है। इसीलिए उन्हें उद्योगपतियों से सवाल करना पड़ा कि आपने कितने कर्मचारी और वेतन बढ़ाए हैं? हालांकि अर्थव्यवस्था के संदर्भ में चीन और भारत की तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था भारत से करीब 5 गुना बड़ी है। बेशक भारत की विकास दर 7 फीसदी या उससे अधिक है और चीन की विकास दर करीब 4.5 फीसदी है, तब भी चीन हमारी तुलना में बहुत विकसित देश है। चीन दुनिया की दूसरी सबसे ताकतवर आर्थिक महाशक्ति है। चीन में औसत माहवार वेतन 80,000 रुपए से 1.5 लाख रुपए के बीच है, जबकि भारत में यह औसत 22,314 रुपए माहवार है। 2025 के डाटा के मुताबिक, भारत में 14.76 करोड़ लोग ही 'नौकरीपेशा' हैं। भारत में वेतन या दिहाड़ीदार आय की गति बड़ी मंथर है, लिहाजा मुद्रास्फीति की स्थिति में आम आदमी परेशान होने लगता है। बीते सात सालों में, 2019-26 के दौरान, भारत में खुदरा कीमतें, औसत मजदूरी या वेतन की तुलना में, अधिक बढ़ी हैं, लिहाजा महंगाई का बोझ और दबाव बना ही रहता है। यदि नौकरीपेशा वर्ग की आय और क्रय-शक्ति कम होगी, तो निश्चित है कि मांग भी कम होगी। बाजार और उत्पादन भी प्रभावित होंगे। नतीजतन देश की अर्थव्यवस्था और विकास दर भी सिकुड़ जाएंगी। सवाल है कि भारतीय उद्योगपति और उनकी कंपनियां अपने कर्मचारियों को एक बेहतर वेतन या मजदूरी देने में अक्षम और असमर्थ क्यों हैं? क्या कंपनियां संघर्ष कर रही हैं और उनकी आमदनी सीमित है? ऐसा नहीं है। दरअसल भारतीय कॉरपोरेट वर्ग एक 'असाधारण मुनाफे' के दौर में है। बीते साल भारतीय कंपनियों का औसत मुनाफा 22 फीसदी था और उससे पहले साल (2024) में 11 फीसदी था। वे नकदी, 'चलनिधि' के पहाड़ पर विराजमान हैं, लेकिन उस पूंजी या संपत्ति का एक हिस्सा अपने कर्मचारियों के साथ साझा करने में 'कंजूस' हैं। यदि ऐसा नहीं होता, तो भारत में अमीरी और गरीबी के बीच इतने चौड़े फासले क्यों होते? देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, तो अब भी करोड़ों लोग 'गरीब' हैं। ऐसे डाटा प्रधानमंत्री मोदी तक जरूर पहुंचाए गए होंगे! उन्हीं के आधार पर उन्होंने फिक्की के सालाना समारोह के दौरान उद्योगपतियों से सवाल किए। हालांकि प्रधानमंत्री की यह भाषा हमें आपत्तिजनक लगी-'आपकी भूख इतनी है कि पेट भरता ही नहीं।' बेशक प्रधानमंत्री की चिंता का सरोकार तार्किक है, क्योंकि श्रम करने वाले कामगारों की आमदनी ही पर्याप्त नहीं होगी, तो भारत 'विकसित राष्ट्र' कैसे बन पाएगा? बेशक अर्थशास्त्र की भाषा में विकास दर बताते रहें और जीडीपी को 4 ट्रिलियन के पार गिनाते रहें, लेकिन भारत की विकास-कथा 'अद्भधसत्यों' पर आधारित होगी। जीडीपी की गिनती में अंबानी, अदाणी, टाटा, बिरला, गोयनका, महिन्द्रा आदि 'कुबेर' भी शामिल हैं और 9-10,000 रुपए कमाने वाले 'गरीब' भी गिने जाते हैं, नतीजतन भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 6वें स्थान पर है। यह बहुत बड़ा अद्भधसत्य है, जिसे आम आदमी जानता भी नहीं होगा! भारत में कॉरपोरेट वर्ग को, यहां तक कि सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों को भी, सरकार ने ढेरों सुविधाएं दी हैं। कई उत्पादों पर जीएसटी कम या खत्म कर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने जो सरोकार जताया है, उस पर उद्योगपतियों को आत्मचिंतन, आत्ममंथन करना चाहिए।

> भारत के प्रधानमंत्री मोदी की चिंता का सरोकार यही है। इसीलिए उन्हें उद्योगपतियों से सवाल करना पड़ा कि आपने कितने कर्मचारी और वेतन बढ़ाए हैं? हालांकि अर्थव्यवस्था के संदर्भ में चीन और भारत की तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था भारत से करीब 5 गुना बड़ी है। बेशक भारत की विकास दर 7 फीसदी है और चीन की विकास दर करीब 4 .5 फीसदी है, तब भी चीन हमारी तुलना में बहुत विकसित देश है। चीन दुनिया की दूसरी सबसे ताकतवर आर्थिक महाशक्ति है। चीन में औसत माहवार वेतन 80,000 रुपए से 1 .5 लाख रुपए के बीच है, जबकि भारत में यह औसत 22,314 रुपए माहवार है। 2025 के डाटा के मुताबिक, भारत में 14 .76 करोड़ लोग ही 'नौकरीपेशा' हैं। भारत में वेतन या दिहाड़ीदार आय की गति बड़ी मंथर है, लिहाजा मुद्रास्फीति की स्थिति में आम आदमी परेशान होने लगता है। बीते सात सालों में, 2019-26 के दौरान, भारत में खुदरा कीमतें, औसत मजदूरी या वेतन की तुलना में, अधिक बढ़ी हैं, लिहाजा महंगाई का बोझ और दबाव बना ही रहता है। यदि नौकरीपेशा वर्ग की आय और क्रय-शक्ति कम होगी, तो निश्चित है कि मांग भी कम होगी। बाजार और उत्पादन भी प्रभावित होंगे। नतीजतन देश की अर्थव्यवस्था और विकास दर भी सिकुड़ जाएंगी। सवाल है कि भारतीय उद्योगपति और उनकी कंपनियां अपने कर्मचारियों को एक बेहतर वेतन या मजदूरी देने में अक्षम और असमर्थ क्यों हैं? क्या कंपनियां संघर्ष कर रही हैं और उनकी आमदनी सीमित है? ऐसा नहीं है। दरअसल भारतीय कॉरपोरेट वर्ग एक 'असाधारण मुनाफे' के दौर में है। बीते साल भारतीय कंपनियों का औसत मुनाफा 22 फीसदी था और उससे पहले साल (2024) में 11 फीसदी था।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस- 25 नवंबर 2026

महिलाओं की भय-हिंसा मुक्ति से ही विकसित भारत संभव

> संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम- महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें- का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुडे.अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है। आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती।

महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम-महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुडे.अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है। आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा। भारत में स्थिति जटिल भी है और परिवर्तनशील भी। एक ओर महिलाएं राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, शिक्षा, सेना, खेल, उद्योग और उद्यमिता में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, दूसरी ओर अनेक महिलाएं आज भी हिंसा, भेदभाव, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के घेरे में हैं। कानूनों की कमी से अधिक समस्या कई बार उनके प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक चुप्पी और पीड़ता को ही दोषी मानने वाली मानसिकता की होती है। महिला को यह समझाना आवश्यक है कि उसके साथ हुई हिंसा उसकी गलती नहीं है। अपराधी का अपराध अपराधी का ही है, पीड़ता को अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर करना दूसरी हिंसा है। मीटू जैसे आंदोलनों और निर्भया कांड के बाद हुए कानूनी सुधारों ने समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव पैदा किया है। पहले जिस हिंसा को "घर की बात", "इज्जत का मामला" या "समझौते से सुलझाने" की सलाह देकर दबा दिया जाता था, उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस बढ़ा है। लेकिन आवाज उठाना पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। शिकायत करने वाली महिला को सुरक्षा, सम्मान, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहयोग और त्वरित न्याय मिले, तभी कानून पर उसका विश्वास मजबूत होगा। हमें यह भी समझना होगा कि हिंसा का वास्तविक अंत अदालत के फैसले से पहले मानसिकता के परिवर्तन से शुरू होता है। जिस घर में बेटे को अधिकार और बेटी को मर्यादा का पाठ अलग-अलग पढ़ाया जाता है, वहां समानता की नींव कमजोर रहती है। बेटे को यह सिखाना होगा कि स्त्री उसकी संपत्ति नहीं, स्वतंत्र व्यक्तित्व है, उसकी सहमति सर्वोपरि है। प्रेम अधिकार नहीं, सम्मान है और पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, संवेदनशीलता है। महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में "पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना" जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब उसकी आधी आबादी भय से मुक्त होकर अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ सके। हमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए केवल कैमरे, कानून और हेल्पलाइन नहीं, बल्कि सुरक्षित संस्कारों का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों में लैंगिक सम्मान और संवेदनशीलता की शिक्षा हो, परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले, कार्यस्थलों पर शिकायत तंत्र निष्पक्ष और प्रभावी हो तथा पुलिस और न्याय-व्यवस्था पीड़ता के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया और सोशल मीडिया को भी सनसनी के बजाय गरिमा और जिम्मेदारी का रास्ता चुनना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन पुरुष समाज में होना है। स्त्री के प्रति हिंसा की जड़ में केवल अपराधी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि वह सोच भी है जो स्त्री को कमजोर, भोग की वस्तु या पुरुष के नियंत्रण का विषय समझती है। पुरुषत्व को प्रभुत्व से करुणा, अधिकार से उत्तरदायित्व और शक्ति से संरक्षण की ओर मोड़ना होगा। पुरुष यदि महिला की स्वतंत्रता को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, उसकी मानवीय गरिमा का अधिकार समझेगा, तभी परिवर्तन स्थायी होगा। नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं।



देश दुनिया से

जनहित की प्रयोगशाला में पिसता आम आदमी

सरकारी योजना का सबसे चमकदार हिस्सा उसका विज्ञापन होता है और सबसे धुंधला हिस्सा उसका लाभार्थी। दीवारों पर बड़े-बड़े अक्षरों में उपलब्धियां दर्ज हो जाती हैं, मंचों से आंकड़ों की आतिशबाजी होती है, अखबारों में सफलता की तस्वीरें छपती हैं, मगर उसी योजना का कोई वास्तविक हकदार जब अपने हिस्से का लाभ मांगने निकलता है तो उसे दफ्तरों की चौखट, दस्तावेजों की गठरी और तारीखों के फेर में उलझा दिया जाता है। विडंबना देखिए, जिसके नाम पर पूरी व्यवस्था खड़ी की जाती है, कई बार वही व्यक्ति उसके दरवाजे पर सबसे कम अधिकार वाला साबित होता है। यह महज प्रशासनिक खामी नहीं, जनकल्याण के दावों और उनकी जमीनी हकीकत के बीच बढ़ती खाई का सवाल है। देश में योजनाओं की कमी नहीं है। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, किसान सम्मान निधि और मनरेगा जैसी योजनाओं का दायरा व्यापक है। इनके पीछे गरीब को आवास, मरीज को इलाज, परिवार को रसोई गैस, किसान को आर्थिक सहारा और ग्रामीण श्रमिक को रोजगार देने की मंशा है। बजट में इनके लिए प्रावधान होते हैं, प्रचार में इन्हें सरकार की उपलब्धि बताया जाता है। लेकिन किसी योजना की असली सफलता इस बात से तय नहीं होती कि उसकी घोषणा कितने बड़े मंच से हुई, बल्कि इससे तय होती है कि उसका लाभ कितने जरूरतमंदों तक पहुंचा। जिस गरीब को आवास का इंतजार है, उसके लिए योजना का नाम नहीं, सिर पर छत मायने रखती है। बीमार के लिए सरकारी दावा नहीं, समय पर इलाज जरूरी है। किसान के लिए भाषण नहीं, खाते में सहायता और खेत में राहत का महत्व है। जनकल्याण की



परीक्षा यहीं से शुरू होती है। सबसे पहले उन कागजी पहाड़ों को देखना चाहिए, जिन्हें पार किए बिना नागरिक का हक आगे नहीं बढ़ता। योजनाएं ऊपर बनती हैं, लेकिन नीचे पहुंचते-पहुंचते नियमों और औपचारिकताओं का ऐसा जाल बिछ जाता है कि जरूरतमंद रास्ता ही भूल जाता है। एक प्रमाणपत्र के लिए दूसरा प्रमाणपत्र, सत्यापन के लिए नया आवेदन और आवेदन के बाद अगली तारीख। फाइलें विभागों के बीच यात्रा करती रहती हैं, लेकिन लाभार्थी की परेशानी अपनी जगह खड़ी रहती है। रोज कमाकर खाने वाले व्यक्ति से यह उम्मीद करना कि वह कई दिन मजदूरी छोड़कर सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाए, व्यवस्था की संवेदनहीनता है। इस जटिलता का फायदा वे लोग उठाते हैं, जिनकी पहुंच और पहचान है। जहां नागरिक का अधिकार प्रक्रिया का मोहताज बन जाए, वहां बिचौलियों की दुकान अपने आप खुल जाती है। डिजिटल व्यवस्था ने सुविधाओं के नए दरवाजे जरूर खोले हैं, लेकिन यह भी सच है कि देश का हर नागरिक उन दरवाजों तक पहुंचने की स्थिति में नहीं है। एक ओर डिजिटल इंडिया की उपलब्धियों का बखान है, दूसरी ओर गांवों में इंटरनेट, स्मार्टफोन और तकनीकी समझ का अभाव है। जिस व्यक्ति को ऑनलाइन आवेदन करना ही नहीं आता, उसके लिए डिजिटल सुविधा भी एक नई दीवार बन जाती है। योजनाओं की जानकारी होर्डिंग्स और विज्ञापनों में दिखाई देती है, लेकिन अंतिम छोर पर रहने वाले पात्र व्यक्ति तक उसका संदेश नहीं पहुंचता। अधूरी जानकारी, अशिक्षा और अफवाहें इस दूरी को और बढ़ाती हैं। सवाल यह है कि सरकार तकनीक को नागरिक के अनुकूल बना रही है या नागरिक को तकनीक के सामने असहाय छोड़ रही है? डिजिटल सुविधा का अर्थ तभी है, जब वह उस व्यक्ति तक भी पहुंचे जिसके पास साधन सबसे कम हैं। इसके बाद आता है भ्रष्टाचार और लापरवाही का वह हिस्सा, जिस पर अक्सर उपलब्धियों के शोर में पर्दा पड़ जाता है। बजट आवंटित होता है, लेकिन उसके इस्तेमाल की निगरानी कितनी प्रभावी है? निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री, लाभार्थियों की सूची में हेरफेर, अपात्रों को प्राथमिकता और वास्तविक जरूरतमंदों का नाम गायब होना योजनाओं की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाते हैं। आधार और बैंक खातों से जुड़ी विसंगतियां भी कई बार पात्र लोगों के भुगतान में बाधा बनती हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) ने बिचौलियों की भूमिका कम करने और पैसा सीधे खाते तक पहुंचाने का रास्ता खोला है, लेकिन केवल खाते में राशि भेजने की व्यवस्था बना देना पर्याप्त नहीं। यह भी देखना होगा कि सही व्यक्ति तक सही समय पर पैसा पहुंचा या नहीं। तकनीक गड़बड़ी पकड़ सकती है, लेकिन प्रशासनिक जवाबदेही और ईमानदारी का स्थान नहीं ले सकती। इन खामियों का असर सरकारी आंकड़ों में पूरा दिखाई नहीं देता। किसी परिवार को आवास न मिले तो वह सिर्फ एक मकान से वंचित नहीं होता, उसके बच्चों का भविष्य और जीवन की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। इलाज की सुविधा न मिलने पर बीमारी के साथ आर्थिक संकट भी घर में प्रवेश करता है। किसान को सहायता न मिले तो उसकी परेशानी खेत की मेड़ तक सीमित नहीं रहती। लगातार निराशा नागरिक के भीतर यह धारणा पैदा करती है कि व्यवस्था में उसकी सुनवाई तभी होगी, जब उसके पास सिफारिश, पहुंच या अतिरिक्त पैसा हो। यही भावना लोकतंत्र के भरोसे को कमजोर करती है। युवाओं में व्यवस्था के प्रति असंतोष, बुजुर्गों में असहायता और गरीबों में उपेक्षा का भाव किसी भी शासन के लिए गंभीर चेतावनी होना चाहिए। अब जरूरत नई योजनाओं की घोषणा से अधिक पुरानी योजनाओं की खामियां दूर करने की है। आवेदन और पात्रता की शर्तें सरल हों, अनावश्यक दस्तावेजों का बोझ घटे और डीबीटी के साथ ऑफलाइन विकल्प भी उपलब्ध रहें।

आप का नज़रिया

एयरपोर्ट की जमीन से नया आकाश

माननीय हाई कोर्ट के फैसले ने गगल एयरपोर्ट विस्तार को अगले आयाम तक पहुंचा दिया है। निर्णय की पैमाइश में हम हिमाचली विकास के नए संबोधन और चिंताएं देख सकते हैं। अदालत ने परियोजना के संदर्भ में सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पर्यावरण प्रभाव तथा फिजिबिलिटी से संबंधित तमाम रिपोर्टों को जल्द अंजाम दे। गगल एयरपोर्ट के माध्यम से सरकार ने अपनी इच्छाशक्ति की लौह परीक्षा दी है। यह इसलिए भी कि भू-अधिग्रहण की जटिलताओं तथा कठोर फैसलों से गुजरना आसान नहीं है और यही वजह है कि सुक्खू सरकार आज इस मुकाम पर खड़ी है। यहां तक का सफर कई अदालतों में रहा, लेकिन जन अदालतों की संवेदना, आक्रोश और दबाव के बीच अगर गगल एयरपोर्ट विस्तार की फाइल मजबूत हुई है, तो काफी हद तक सरकार ने भू-अधिग्रहण प्रक्रिया को मुआवजे का व्यापक आधार दिया। यह दीगर है कि अभी एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रश्रय में आगे की कार्रवाई पर खामोशी है, फिर भी तकनीकी तौर पर इस परियोजना को सफल बनाने के सारे मानदंड अपनाए जा चुके हैं। हिमाचल में यह पहला ऐसा विस्थापन होगा, जहां हर चुनौती का जवाब माकूल मुआवजे व सहूलियत में तलाशा गया है, फिर भी इस क्षेत्र की मिटती हस्ती को नया नाम चाहिए। कहीं तो गगल के बदले नए गगल का उभार चाहिए। गगल एयरपोर्ट विस्तार की संभावनाओं के सामने हुए जमीन के सौदे एक अलग गणित तथा माफिया सरगर्मियां बढ़ा रहा है। बेनामी सौदों से लेकर नवनिर्माण की बढ़ती गतिविधियों तक फेरी लगाती विकृतियां, कहीं न कहीं कानूनी चुनौती बनी हैं। ऐसे में सामाजिक-आर्थिक उन्नति के साथ पर्वतीय परिवेश के मूल तत्व भी बरकरार रहने चाहिएं। बड़े विकास के रथ अगर सांस्कृतिक विनाश के दलदल में फंसेंगे, तो हम अपने मूल्यों की रक्षा नहीं कर पाएंगे। एयरपोर्ट विस्तार के साथ-साथ जमीन खरीद फरोख्त के जितने भी अवैध धंधे सामने आए हैं, उन्हें कठोरता के साथ देखना होगा। जाहिर है ऐसी परियोजनाएं आने वाली सदियों के लिए खुशहाली का न्यौता होती हैं और गगल में आने वाले बड़े जहाज भी ऐसी संभावना को पुष्ट कर रहे हैं। कांगड़ा में 'पर्यटन कैपिटल' का नारा बुलंद करने में एयरपोर्ट के अलावा कुछ अन्य परियोजनाएं अमल में आती हैं, तो यह सोने पर सुहागा है। एयरपोर्ट हाई एंड टूरिस्ट को जब यहां लाएगा, तो पर्यटन की दृष्टि और जमीनी हकीकत भी बदलनी पड़ेगी। जाहिर है यह तस्वीर निजी निवेश से ही बदलेगी, अतः एयरोसिटी की तर्ज पर नादौन और भोटा के बीच कहीं साइंस सिटी, धर्मशाला से जोगिंद्रनगर के बीच कहीं कालचक्र डेस्टिनेशन, पौंग बांध जलाशय में जल क्रीड़ाएं और तत्संबंधी मनोरंजन के साधन, गरली-परागपुर की धरोहर पृष्ठभूमि के तहत फिल्म सिटी, गोल्फ ग्राउंड, धर्मशाला में कान्वेंशन सेंटर तथा प्रमुख मार्गों के किनारे मनोरंजन तथा विभिन्न पर्यटन पार्क विकसित करने होंगे। बेशक वनखंडी का चिडियाघर आने वाले समय में एक बड़ा आकर्षण होगा, लेकिन इसके साथ-साथ हमें धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देनी होगी। बड़े मंदिरों को कला केंद्र के रूप में विकसित करें, तो लोक कलाओं और लोक कलाकारों को बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। शाहपुर के धारकंडी इलाके में ट्राउट फीशिंग की संभावना में टूरिस्ट गंतव्य का आकार बढ़ेगा, तो पालमपुर के टी गार्डन असम की तर्ज पर चाय पर्यटन को बढ़ावा देंगे। हिमाचल सरकार, पर्यटन विभाग, व्यापार मंडल तथा विभिन्न पर्यटन एसोसिएशन के साथ मिलकर बाजार की दिशा और दर्शन बदल सकती है। विभिन्न बाजारों को नो ट्रैफिक जोन बनाने की दिशा में प्रयास करते हुए एलिवेटिड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क विकसित करना पड़ेगा। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की आधारभूत पैमाइश तो पूरी हो गई है, अब केंद्र को इस परियोजना का मुकम्मल उपहार लौटाना होगा।

> निर्णय की पैमाइश में हम हिमाचली विकास के नए संबोधन और चिंताएं देख सकते हैं। अदालत ने परियोजना के संदर्भ में सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पर्यावरण प्रभाव तथा फिजिबिलिटी से संबंधित तमाम रिपोर्टों को जल्द अंजाम दे। गगल एयरपोर्ट के माध्यम से सरकार ने अपनी इच्छाशक्ति की लौह परीक्षा दी है। यह इसलिए भी कि भू-अधिग्रहण की जटिलताओं तथा कठोर फैसलों से गुजरना आसान नहीं है और यही वजह है कि सुक्खू सरकार आज इस मुकाम पर खड़ी है। यहां तक का सफर कई अदालतों में रहा, लेकिन जन अदालतों की संवेदना, आक्रोश और दबाव के बीच अगर गगल एयरपोर्ट विस्तार की फाइल मजबूत हुई है, तो काफी हद तक सरकार ने भू-अधिग्रहण प्रक्रिया को मुआवजे का व्यापक आधार दिया। यह दीगर है कि अभी एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रश्रय में आगे की कार्रवाई पर खामोशी है, फिर भी तकनीकी तौर पर इस परियोजना को सफल बनाने के सारे मानदंड अपनाए जा चुके हैं। हिमाचल में यह पहला ऐसा विस्थापन होगा, जहां हर चुनौती का जवाब माकूल मुआवजे व सहूलियत में तलाशा गया है, फिर भी इस क्षेत्र की मिटती हस्ती को नया नाम चाहिए। कहीं तो गगल के बदले नए गगल का उभार चाहिए। गगल एयरपोर्ट विस्तार की संभावनाओं के सामने हुए जमीन के सौदे एक अलग गणित तथा माफिया सरगर्मियां बढ़ा रहा है। बेनामी सौदों से लेकर नवनिर्माण की बढ़ती गतिविधियों तक फेरी लगाती विकृतियां, कहीं न कहीं कानूनी चुनौती बनी हैं।

कुछ अलग

भीतर का दरवाजा

समय आगे बढ़ता रहा। ताले बड़े होते गए। चाबियां जटिल होती गईं। कुंडियां मजबूत होती गईं। पर मनुष्य का भय छोटा नहीं हुआ। वह घर से निकलकर कोषागारों तक पहुंचा। कोषागारों से महलों तक। महलों से मंदिरों तक। मंदिरों से कारागारों तक। और अंततः...मनुष्य के हृदय तक। इतिहास ने उस दिन अपनी डायरी में केवल एक पंक्ति लिखी- 'जिस दिन चाबी बनी, उसी दिन मनुष्य ने यह मान लिया कि सुरक्षा विश्वास से नहीं, नियंत्रण से प्राप्त होती है।' और दरार...वह अब भी बिना किसी ताले के खुली रहती है। क्योंकि दरवाजा बंद हुआ तो दरार ने पहली बार महसूस किया- मनुष्य बाहर को रोकते-रोकते भीतर के लिए भी रास्ते बंद कर रहा है। समय बहता रहा। दरवाजे अब केवल घरों तक सीमित नहीं रहे। वे अब भवनों में नहीं, संबंधों में बनने लगे थे। और अंततः...मनुष्य के भीतर पहुंच गए। इतिहासकार लिखते हैं- 'सबसे कठिन दरवाजा लकड़ी का नहीं होता, वह मन का होता है।'

दृष्टि कोण

विकसित भारत का लक्ष्य अब ज्यादा दूर नहीं

यह सच है कि पिछले चार दशकों या उससे अधिक समय में, चीन ने भारत की तुलना में कहीं अधिक तेजी से विकास किया है। 1980 में, भारत की जीडीपी लगभग 186 अरब डॉलर थी, जबकि चीन की जीडीपी लगभग 191 अरब डॉलर थी- यानी दोनों लगभग बराबरी पर थे। हालांकि, अक्टूबर 2026 के लिए आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, वर्तमान स्थिति यह है कि चीन की जीडीपी (अमरीकी डॉलर में) लगभग 21.55 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि भारत की जीडीपी सिर्फ 4.06 ट्रिलियन डॉलर है। दूसरे शब्दों में, चीन की अर्थव्यवस्था भारत की तुलना में लगभग 5.3 गुना बड़ी है। इसे देखते हुए, आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि चीन भारत से काफी आगे निकल गया है। भारत को उस स्तर तक पहुंचने के लिए बहुत अधिक प्रयास करने होंगे, और चीन जैसी अर्थव्यवस्था के स्तर तक पहुंचना निश्चित रूप से आसान नहीं होगा। पिछले एक साल में रुपए की कीमत में गिरावट के कारण, अमरीकी डॉलर के बाजार मूल्य के हिसाब से भारत की जीडीपी 4.2 ट्रिलियन (खरब) डॉलर से घटकर 4.06 खरब डॉलर रह गई है। नतीजतन, जीडीपी के कुल आकार के मामले में, भारत वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान से खिसक कर छठे स्थान पर आ गया है। इस संदर्भ में, कुछ आलोचक भारत की उपलब्धियों को कम करके आंकते हैं। उनका तर्क है कि भले ही जीडीपी के मामले में भारत दुनिया में छठे स्थान पर हो, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश अभी भी 153वें स्थान पर है। इन विशेषज्ञों का तर्क है कि भले ही भारत की जीडीपी में वृद्धि हुई है, लेकिन समग्र



विकास के मामले में देश अभी भी काफी पीछे है, यहां तक कि उन देशों की तुलना में भी, जिन्हें उसने जीडीपी के मामले में पीछे छोड़ दिया है। इसलिए, उन देशों के बराबर पहुंचने के लिए भारत को अपनी जीडीपी में काफी वृद्धि करनी होगी। लेकिन जब हम 'परचेजिंग पावर पैरिटी' यानी क्रय शक्ति समानता के आधार पर भारत की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय को देखते हैं, तो स्थिति उतनी निराशाजनक नहीं लगती। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) क्रय शक्ति समानता के आधार पर भी विभिन्न देशों के जीडीपी आंकड़े जारी



सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : प्रियांश ने राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा टी20 इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया

इंदौर

दिल्ली के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ ऐतिहासिक पारी खेलते हुए भारतीय बल्लेबाज के तौर पर टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने भारतीय दिग्गज केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 68 गेंदों में 181 रन बनाए। उनकी इस पारी में सात चौके और 19 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 266 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

इससे पहले किसी भारतीय बल्लेबाज का टी20 में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर केएल राहुल के नाम था। राहुल ने इसी साल अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए 67 गेंदों में नाबाद 152 रन बनाए थे। यह आईपीएल इतिहास में किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला 150 रन का स्कोर भी था।

प्रियांश अब टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस हैं, जिन्होंने इस साल अक्टूबर में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की प्रो20 कप प्रतियोगिता में टाइटंस की ओर से नाइट्स के खिलाफ 79 गेंदों में नाबाद 188 रन बनाए थे। उनकी पारी में 15 चौके और 13 छक्के शामिल थे।

प्रिटोरियस ने वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 175 रन की नाबाद पारी खेली थी।

प्रियांश ने अपनी पारी में 19 छक्के लगाकर एक टी20 पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। न्यूजीलैंड के फिन एलन भी एक टी20 पारी में 19 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने पिछले साल जून में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों में 151 रन बनाए थे। उनकी पारी में पांच चौके और 19 छक्के शामिल थे। प्रियांश की यह पारी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में भी सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने तिलक वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने नवंबर 2024 में हैदराबाद की ओर से मेघालय के खिलाफ 151 रन बनाए थे। मुकाबले में तमिलनाडु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। प्रियांश की विस्फोटक पारी के दम पर दिल्ली ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 275 रन बनाए। टीम की ओर से दूसरा सर्वाधिक स्कोर अनुज रावत का रहा, जिन्होंने 22 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 29 रन बनाए। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में यह तीसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर है। इससे पहले बड़ौदा ने 2024 में सिक्किम के खिलाफ पांच विकेट पर 349 रन और पंजाब ने 2025 में हैदराबाद के खिलाफ पांच विकेट पर 310 रन बनाए थे।

न्यूज ब्रीफ

विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए दिल्ली की अंडर-16 टीम घोषित, पार्थ डबास को कप्तानी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए दिल्ली की 16 सदस्यीय पुरुष अंडर-16 टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबला 25 नवंबर 2026 से ग्वालियर में खेला जाएगा। जूनियर पुरुष चयन समिति ने 23 नवंबर को डीडीसीए परिसर में हुई बैठक में टीम को अंतिम रूप दिया। पार्थ डबास को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि युविश सिंह उपकप्तान और विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभालेंगे। रिवान वीर भयाना को भी टीम में विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है। दिल्ली की टीम में पार्थ डबास (कप्तान), युविश सिंह (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), सक्षम यादव, शिवांश सिंह, आरुष यादव, अर्णव शर्मा, रिवान वीर भयाना (विकेटकीपर), क्षितिज सेहरा, वेदांत गुप्ता, शौर्य चांदना, मनन माथुर, प्रणय शर्मा, अहान गर्ग, गीतांक लखेड़ा, यश माहेश्वरी और नैतिक सिंह को शामिल किया गया है। चयन समिति की बैठक में अध्यक्ष मयंक सिडाना, चयनकर्ता अभिषेक शर्मा और योगेश नागर, डीडीसीए की क्रिकेट सलाहकार समिति के सदस्य रॉबिन सिंह जूनियर, मुख्य कोच राजू शर्मा और सचिव अशोक शर्मा उपस्थित रहे।

सैंडपेपरगेट विवाद के बाद भी कप्तानी नहीं छोड़ेंगे कमिंस

सिडनी। सैंडपेपरगेट विवाद समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। आठ साल पुराने इस विवाद को लेकर

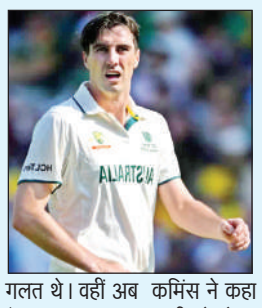

वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने सफाई भी दी थी और कहा था कि उस्मान ख्वाजा के पूरी टीम के इसमें शामिल होने के आरोप गलत थे। वहीं अब कमिंस ने कहा है कि इस मामले के कारण उनका कप्तानी छोड़ने का कोई इरादा नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मैदान पर टीम की कप्तानी करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के उस प्रस्तावित फोरम का भी पूरा समर्थन किया है जो 2018 के विवाद से जुड़े खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को अपनी बात रखने का अवसर देगा। अपनी कप्तानी और ईमानदारी पर उठ रहे सवालों के बीच ही कमिंस ने कहा कि वह फोरम की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। वहीं इस मामले में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष डेविड बून और मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग के साथ एक अहम बैठक के बाद कमिंस ने सीए द्वारा जारी बयान में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान होने के नाते मुझे एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिली है जिसें में कभी हल्के में नहीं लिया है और न ही कभी लूंगा। कमिंस ने डेविड और टॉड की सराहना की कि उन्होंने उनसे और 2018 के कई खिलाड़ियों व स्टाफ सदस्यों से संपर्क किया। उन्होंने फोरम का शत-प्रतिशत समर्थन करते हुए कहा, मैं वहाँ मौजूद रहूँगा। जिन खिलाड़ियों और स्टाफ सदस्यों से मैंने बात की है, वे सभी वहाँ जाकर अपनी बात रखने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

अध्यक्ष बना तो खिलाड़ियों की समस्याओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी : राजपाल

नई दिल्ली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) के अध्यक्ष रोहित राजपाल अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरे है। राजपाल का कहना है कि वह टेनिस की भलाई के साथ ही प्रबंधन में खिलाड़ियों की भागीदारी तय करना चाहते हैं। एआईटीए के लिए चुनाव 27 नवंबर को होने हैं। राजपाल ने कहा कि अगर वह अध्यक्ष चुने जाते हैं तो खिलाड़ियों के रुख और उनकी समस्याओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी, जो अब तक उपेक्षित रही हैं। राजपाल के अनुसार महासंघ अब तक मुख्य रूप से खेल सुविधाओं के विकास और टूर्नामेंटों के आयोजन तक ही सीमित रहा है, जबकि खिलाड़ियों के विकास की जिम्मेदारी काफी हद तक निजी संस्थानों और व्यक्तिगत प्रयासों पर छोड़ दी गई है जबकि खिलाड़ियों का विकास एआईटीए की प्राथमिक जिम्मेदारियों का हिस्सा होना चाहिए। राजपाल के अनुसार केवल बड़ी संख्या में टूर्नामेंट आयोजित करना और टेनिस कोर्ट बनाना ही पर्याप्त नहीं है। खिलाड़ियों को भी पूरी व्यवस्था से जोड़ना जरुरी है। राजपाल का मानना है कि प्रतिभाओं को तराशने में पर्याप्त निवेश की कमी और खिलाड़ियों के विकास के लिए दीर्घकालिक व्यवस्था की कमी के कारण ही भारत कई एशियाई देशों से खेल में पीछे है। उन्होंने कहा कि महासंघ की कमान किसी पूर्व खिलाड़ी के हाथों में होने से खिलाड़ियों और प्रशासन के बीच संवाद का तरीका पूरी तरह से बदल सकता है। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से, इस प्रतिष्ठित संस्था का नेतृत्व पहले कभी किसी खिलाड़ी ने नहीं किया, और उनका मानना है कि यही कारण है कि एआईटीए और खिलाड़ियों के बीच एक दूरी बनी रही है।

वैभव का महातूफान, 15 ओवर में भारत की ऐतिहासिक जीत

53 गेंदों में 204 रन ठोककर रचा इतिहास, यूएई को 7 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा भारत



दोहा। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को सात विकेट से करारी शिकस्त देकर शान के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला श्रीलंका से होने की संभावना है। यह मुकाबला 26 नवंबर को खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी की ऐतिहासिक और तूफानी बल्लेबाजी के दम पर 250 रन का लक्ष्य महज 15 ओवर में हासिल कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक पारी में मात्र 53 गेंदों पर 204 रन ठोक दिए। उनकी इस ऐतिहासिक पारी में 28 छक्के और सात चौके शामिल रहे। यूएई के कप्तान बासिल हमीद की गेंद पर आर्यांश शर्मा ने उनका कैच लपका। अपनी इस पारी के दौरान वैभव ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए।

यूएई ने बनाए 249 रन

यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 249 रन बनाए। हरप्रीत सिंह भाटिया ने 144 गेंदों पर 130 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा मुहम्मद शहदाद ने 28 और ईथन डिसूजा ने 25 रन का योगदान दिया। कप्तान बासिल हमीद ने भी 36 रन बनाए। इस तरह यूएई की टीम ने भारत के सामने 250 रन का लक्ष्य रखा। भारत की ओर से अर्शद खान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए।

वैभव के तूफान में उड़ा यूएई

भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिहाज से यह मुकाबला बेहद अहम था। टीम से लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद तो थी, लेकिन वैभव सूर्यवंशी जिस अंदाज में बल्लेबाजी करेंगे, इसकी कल्पना शायद ही किसी ने की होगी। उन्होंने महज 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। उनके आक्रामक तेवरों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारतीय टीम ने केवल पांच ओवर में 100 रन पूरे कर लिए। यहां से भारत की जीत लगभग तय नजर आने लगी, लेकिन वैभव का तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा था।

सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा

वैभव ने महज 28 गेंदों में अपना शतक पूरा कर एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बना दिया। उन्होंने केवल 52 गेंदों में 200 रन पूरे किए। 13वें ओवर में विजयी छक्का लगाने के प्रयास में वह आउट हो गए। उस समय भारत का स्कोर 245 रन था। यदि वैभव आउट नहीं होते तो भारतीय टीम 13वें ओवर में ही मुकाबला जीत सकती थी। उन्होंने 53 गेंदों पर 204 रन बनाए, जिसमें 28 छक्के और सात चौके शामिल थे।

फिलीपींस की महिला टेनिस स्टार एलेक्जेंड्रा अबू धाबी ओपन में भाग लेंगी



मनीला

फिलीपींस की महिला टेनिस स्टार एलेक्जेंड्रा एला ने कहा है कि वह अगले साल की शुरुआत में होने वाले मुबाडाला अबू धाबी ओपन में भाग लेंगी। ये लगातार तीसरी बार होगा जब एलेक्जेंड्रा इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगी। 21 साल की एला अभी विश्व में 15 वें नंबर की खिलाड़ी है।

वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी हैं। एल को इस बार टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। एला ने इससे पहले साल 2024 और 2026 में भी इस डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट में भाग लिया था। अब वह तीसरी बार इसमें उतरेंगी।

पिछले कुछ समय से एला ने टेनिस जगह में तेजी से अपना दबदबा बनाया है। वह विश्व के उभरते टेनिस खिलाड़ियों में शामिल हैं। साल 2025 में 140वें स्थान पर रहने के बाद, उन्होंने अपनी रैंकिंग में शानदार सुधार किया है और अब विश्व में 15 वें नंबर 15 पर पहुंच गई हैं।

इस खिलाड़ी के हाल के प्रदर्शन की बात करें तो, उन्होंने अगस्त की शुरुआत में वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर-लेवल सिंगल्स खिताब जीता, जो उनके करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इसके अलावा, इसी साल विंबलडन में वह पहली बार चौथे राउंड तक पहुंची थीं।

इससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इस खिलाड़ी ने कहा, मैं तीसरी बार मुबाडाला अबू धाबी ओपन के लिए अबू धाबी लौटने को लेकर बहुत उत्साहित हूं, खासकर इसलिए क्योंकि इस बार टूर्नामेंट की पांचवीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। उन्हें यूएई में रह रहे फिलीपीसी के प्रशंसकों का भी समर्थन मिलता है। उन्होंने इसी को लेकर कहा, यूएई में मौजूद फिलीपीनो समुदाय और प्रशंसकों का उत्साह यहां खेलने के अनुभव को और भी खास बना देता है।

एला ने इसी के साथ ही अपनी खेल क्षमता में लगातार सुधार पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैंने लगातार अपने को बेहतर बनाया है और मैं इस अनुभव को इस साल अबू धाबी में फिर से आजमाने के लिए उत्साहित हूं। एला का उम्मीद है कि उनकी जीत का सिलसिला मुबाडाला डीसी ओपन में भी जारी रहेगा।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए ब्लेयर टिकनर



क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उन्हें इस सप्ताह वेलिंगटन में अभ्यास सत्र के दौरान दाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चोट की गंभीरता का पता लगाने और मैदान पर वापसी की संभावित समय-सीमा तय करने के लिए टिकनर की क्राइस्टचर्च में आगे जांच की जाएगी। टिकनर की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया गया है। फिशर भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 और एकदिवसीय श्रृंखला में भी खेल चुके हैं। वह दूसरे टेस्ट से पहले क्राइस्टचर्च में टीम से जुड़ेंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट शुक्रवार से हेगले ओवल में शुरू होगा। दोनों टीमों के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था।

टेस्ट क्रिकेट में अब चौकों-छक्कों की हो रही बारिश, बन रहे रिकॉर्ड

वैलिंगटन

वैलिंगटन में जिस प्रकार बल्लेबाजों ने चौके और छक्के लगाये और भारतीय टीम ने 700 से अधिक रन बना दिये उससे एक बार फिर साफ हो गया है कि टेस्ट क्रिकेट में भी बड़े शॉट लगते हैं। हाल के दिनों में टेस्ट मैच ऐसे हुए हैं जिनमें टीमों ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। जबकि टेस्ट क्रिकेट को अक्सर धैर्य, सूझबूझ और पारंपरिक बल्लेबाजी का खेल माना जाता है, जहां बल्लेबाज लंबी पारियां खेलने और रक्षात्मक खेल पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। यह धारणा अब बदल रही है। पिछले कुछ वर्षों में, टी20 क्रिकेट के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने टेस्ट मैच में भी बल्लेबाजों की मानसिकता को काफी आक्रामक बना दिया है। अब बल्लेबाज संभलकर खेलने के साथ-साथ एक बार जम जाने पर बड़े शॉट लगाने से भी नहीं कतराते। इसी का परिणाम है कि टेस्ट क्रिकेट में भी अब ताबड़तोड़ चौके और छक्के देखने को मिल रहे हैं, जिससे नए और रोमांचक रिकॉर्ड स्थापित हो रहे हैं।

ऐसा ही एक असाधारण कीर्तिमान कुछ साल पहले एक मैच में बना था, जिसे तोड़ना आज भी किसी भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। 2 अक्टूबर 2019 को विशाखापत्तनम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच में, दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने मिलकर सर्वाधिक छक्कों का विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस मुकाबले में,



बल्लेबाजों ने लंबे-लंबे छक्कों से रनों की झड़ी लगा दी, जहां कुल 37 छक्के और 171 चौके लगे, जिसने क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शानदार दोहरा शतक लगाया, जबकि मयंक अग्रवाल ने भी शतक जड़कर टीम को एक विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने यह मैच शानदार ढंग से जीता था। इस रिकॉर्ड से पहले, सर्वाधिक छक्कों का विश्व कीर्तिमान न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के नाम था। 26 नवंबर 2014 को शारजाह में खेले गए उस रोमांचक मुकाबले में कुल 35 छक्के और 144 चौके लगाए गए थे, जिसमें न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की थी। छक्कों की बारिश के मामले में आधुनिक टेस्ट क्रिकेट के कुछ अन्य उल्लेखनीय मैच भी हैं। तीसरे स्थान पर 15 फरवरी 2024 को राजकोट में भारत और इंग्लैंड के बीच संपन्न हुआ टेस्ट मैच रहा, जहां कुल 33 छक्के और 140 चौके लगे और भारत ने एकतरफा जीत दर्ज की। चौथे स्थान पर 2 जुलाई 2022 को बर्मिंघम में इंग्लैंड और भारत के बीच खेला गया मुकाबला आता है, जिसमें 30 छक्के लगे थे। वहीं, पांचवें स्थान पर 24 अप्रैल 2023 को गॉल में श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेला गया टेस्ट मैच है, जिसमें 28 छक्के और 147 चौके जड़े गए थे।

कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने की अटकलों को गलत बताया

पैसा नहीं क्लब की सफलता मेरे लिए ज्यादा जरुरी

लंदन

मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस के क्लब में बने रहने को लेकर संशय बना हुआ है। इसका कारण ये है कि ब्रूनो का करार इस साल के अंत में समाप्त होने वाला है और उन्होंने अभी तक इसे नहीं बढ़ाया है। इस फुटबॉलर को क्लब ने अब तक दो बार प्रस्ताव भेजे पर उससे उन्हें खारिज कर दिया। पुर्तगाल के ब्रूनो ने माना है कि अभी क्लब के साथ उनकी करार को लेकर कोई बातचीत नहीं चल रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि इसका मतलब ये नहीं कि वह क्लब छोड़ रहे है। साथ ही कहा कि उनके लिए पैसा नहीं, बल्कि मैनचेस्टर यूनाइटेड की सफलता सबसे ज्यादा महत्व रखती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, क्लब ने पहली बार पिछली गर्मियों में फर्नांडिस के साथ नए करार पर चर्चा शुरू की थी, लेकिन पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने उस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद क्लब की ओर से एक और प्रस्ताव दिया गया, जिसे भी उन्होंने ठुकरा दिया। फर्नांडिस ने अपना पिछला करार अगस्त 2024 में किया था। यूनाइटेड के पास इस खिलाड़ी का करार एक साल और बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। इस विकल्प का इस्तेमाल करने पर फर्नांडिस अगले साल तक ओल्ड ट्रैफर्ड में बने रहेंगे, जिससे जनवरी में विदेशी क्लबों के साथ उनके संभावित फ्री ट्रांसफर को लेकर बातचीत करने का रास्ता भी बंद हो सकता है।

वहीं फर्नांडिस ने माना है कि क्लब ने उन्हें नया करार देने का प्रस्ताव जरूर दिया है, लेकिन अभी कोई बातचीत आगे नहीं बढ़ रही है। उन्होंने उन खबरों को भी गलत बताया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने ज्यादा वेतन या लंबे करार की मांग की है। फर्नांडिस के मुताबिक,



अगर उनका लक्ष्य सिर्फ ज्यादा पैसा कमाना होता तो उनके पास दूसरे क्लबों से बेहतर आर्थिक प्रस्ताव स्वीकार करने का विकल्प हमेशा मौजूद था। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन सालों में कई बार उनके पास मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने का मौका आया, लेकिन हर बार उन्होंने क्लब में बने रहने का फैसला किया। फर्नांडिस ने साफ किया कि वह सिर्फ अपना करार पूरा करने के लिए टीम में नहीं रहना चाहते। अगर क्लब को लगता है कि अब उनके अलग होने का समय आ गया है तो वह बिना किसी परेशानी के जाने को तैयार रहेंगे। उनके अनुसार, उन्होंने हमेशा क्लब के हित और यहां जीत हासिल करने को प्राथमिकता दी है।फर्नांडिस ने कोच मौरिसियो पोचेटिनो को एक सकारात्मक सोच वाला, ऊर्जावान और अनुशासन पसंद करने वाला व्यक्ति बताया। उन्होंने बताया कि 2019 में जब पोचेटिनो टॉटेनहम हॉटस्पर के कोच थे, तब वह टीम से जुड़ने के काफी करीब पहुंच गए थे। उस समय हैरी केन, डेले अली और हीयूंग-मिन सोन जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका उन्हें आकर्षित कर रहा था, और वह प्रीमियर लीग में खेलने के लिए उत्सुक थे।

महासती मंडल के प्रति कृतज्ञता और अभिनंदन का भावपूर्ण आयोजन

जैन श्री संघ, मलकपेट ने किया भव्य सम्मान समारोह, चार माह के चातुर्मास में धर्म, तप और आराधना की बही अमृतधारा

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में इस वर्ष का चातुर्मास धर्म, तप, त्याग, संयम, ज्ञान एवं आध्यात्मिक चेतना की दृष्टि से अत्यंत मंगलमय एवं अविस्मरणीय रहा। जिन शासन दीपिका एवं मधुर व्याख्यानी पूज्य महासती श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल' तथा मुस्कानप्रिय एवं स्पष्ट वक्ता पूज्य महासती श्री विनयश्रीजी म.सा. के पावन सान्निध्य में संपूर्ण चातुर्मास के दौरान धर्माराधना एवं जिनवाणी की अमृतवर्षा से मलकपेट का वातावरण धर्ममय बना रहा।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में चातुर्मास प्रधान संयोजक पारस डोसी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि चातुर्मास के समापन अवसर पर पूज्य महासती मंडल ने जैन श्री संघ, मलकपेट के समस्त पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, लाभार्थी परिवारों, महिला मंडल, युवा वर्ग एवं समस्त श्रावक-श्राविकाओं के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

पूज्य महासतीजी ने अपने भावपूर्ण उद्बोधन में कहा कि किसी भी चातुर्मास की सफलता केवल धार्मिक आयोजनों की संख्या से नहीं, बल्कि समाज की धर्म के प्रति श्रद्धा, समर्पण, सहभागिता एवं आराधना की भावना से मापी जाती है। मलकपेट संघ ने पूरे चातुर्मास के दौरान जिस आत्मीयता, विनम्रता, अनुशासन एवं भक्तिभाव के साथ साधु-साध्वी भगवंतों की सेवा एवं वैयावच्च का लाभ लिया, वह अत्यंत सराहनीय एवं अनुमोदनीय है।

पूज्य महासती मंडल ने कहा कि चातुर्मास के प्रारंभ से लेकर समापन तक संघ के प्रत्येक सदस्य ने जिस उत्साह एवं निष्ठा के साथ धार्मिक गतिविधियों में सहभागिता निभाई, वह उनके लिए अत्यंत सुखद एवं संतोषप्रद अनुभव रहा। नियमित प्रवचन, नवकार महामंत्र जाप, तप-आराधना, धार्मिक अनुष्ठान, स्वाध्याय एवं विभिन्न आध्यात्मिक आयोजनों में समाज की सक्रिय भागीदारी ने इस चातुर्मास को विशेष रूप से सार्थक बनाया।

अपने कृतज्ञता भाव व्यक्त करते हुए पूज्य महासतीजी ने संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की व्यवस्थाओं, सेवा भावना एवं समर्पण की सराहना की। साथ ही चातुर्मास के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों एवं आराधनाओं में लाभ लेने वाले सभी लाभार्थी परिवारों के प्रति अनुमोदना व्यक्त की। महिला मंडल, युवा वर्ग एवं बच्चों की सक्रियता को भी धर्म एवं संस्कारों की भावी पीढ़ी के लिए शुभ संकेत बताया।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि साधु-साध्वी भगवंतों का जीवन त्याग, तपस्या एवं संयम को समर्पित होता



है, किंतु श्रावक समाज की श्रद्धा, सेवा, विनय एवं सहयोग से धर्माराधना के अनेक अवसर साकार होते हैं। मलकपेट संघ ने इन सभी दायित्वों का निर्वहन आत्मीयता एवं श्रद्धापूर्वक किया, जिसके लिए संपूर्ण संघ साधुवाद एवं अनुमोदना का पात्र है।

पूज्य महासती मंडल ने समाज के प्रत्येक परिवार के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि चातुर्मास के दौरान प्राप्त धर्मोपदेश केवल प्रवचन सभा तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में आत्मसात कर क्षमा, करुणा, मैत्री, संयम एवं सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ना ही वास्तविक धर्माराधना है। जिनवाणी से प्राप्त प्रेरणा जीवन में परिवर्तन का माध्यम बने, यही इस चातुर्मास की सार्थक उपलब्धि होगी।

पूज्य महासती मंडल ने समाज के प्रति अपनी आत्मीयता व्यक्त करते हुए कहा कि मलकपेट में प्राप्त स्नेह, श्रद्धा, सेवा एवं सहयोग की मधुर स्मृतियां सदैव उनके हृदय में संजोई रहेंगी। चातुर्मास का समापन भले ही हो रहा है, लेकिन धर्म एवं आत्मीयता का यह संबंध सदैव बना रहेगा।

कृतज्ञता एवं बधाई दिवस का भव्य आयोजन

इसी अविस्मरणीय धर्मयात्रा के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से रविवार, 22 नवंबर 2026 को जैन श्री संघ, मलकपेट की ओर से 'कृतज्ञता एवं बधाई दिवस' का भव्य एवं भावपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति, उल्लास एवं भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला।

समारोह के दौरान संघ के पदाधिकारियों, गणमान्य व्यक्तियों एवं समाजजनों ने पूज्य महासती मंडल के प्रति अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि चातुर्मास केवल चार माह का धार्मिक प्रवास नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि एवं जीवन को संस्कारित करने का अनुपम अवसर होता है।

इस अवसर पर संघ अध्यक्ष सुरेश गादिया, मंत्री अशोक सिंघवी, उपाध्यक्ष ज्ञानचंद रांका, गिरिराज सिंघी, मार्गदर्शक कुशलराज पोकरणा, चातुर्मास प्रधान संयोजक दिलीप गादिया, श्री जैन सेवा संघ मार्गदर्शक मंडल के चेयरमैन योगेश सिंघी, महिला मंडल की उपाध्यक्ष सुनीता सिंघवी एवं बहू मंडल की मंत्री नीतू पोकरणा ने अपने-अपने भाव व्यक्त किए।

वहीं दीपिका टिकलिया, चंदना गोदावत, शीतल सिंघवी, जयश्री गादिया, प्रीती नाबेड़ा, त्रिशला कोठारी, राजुल पोकरणा, सीमा सिंघी एवं आरती गांधी सहित अन्य महिलाओं ने गीतिकाओं के माध्यम से अपनी भावनाएं प्रस्तुत कीं।

प्रवचनों से मिली धर्म एवं संस्कारों की प्रेरणा

पूज्य महासती मंडल ने अपने प्रभावशाली प्रवचनों, सरल एवं सहज भाषा में धर्म के गूढ़ सिद्धांतों की व्याख्या, प्रेरणादायी जीवन प्रसंगों तथा आत्मकल्याण की सीख के माध्यम से श्रावक-श्राविकाओं को धर्ममार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। उनके सान्निध्य में न केवल धार्मिक गतिविधियों को नई गति मिली, बल्कि समाज के बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठजनों में भी धर्म, संस्कार और जिनशासन के प्रति विशेष जागृति देखने को मिली।

इस अवसर पर पारस डोसी ने कहा कि चातुर्मास के दौरान नवकार महामंत्र जाप, नियमित प्रवचन, तप-आराधना, धार्मिक अनुष्ठान, स्वाध्याय एवं विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से जिनशासन की प्रभावना हुई।

पूज्य महासतीजी के ओजस्वी प्रवचनों ने जहां जीवन में सदाचार, संयम, क्षमा एवं विवेक का महत्व समझाया, वहीं उनके वात्सल्यपूर्ण व्यवहार एवं आत्मीयता ने प्रत्येक श्रावक-श्राविका के हृदय में विशेष स्थान बनाया।

पूज्य महासतीजी ने अपने ज्ञान, साधना, तप, त्याग एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन से इस चातुर्मास को सार्थक बनाया। उनके प्रवचनों से अनेक परिवारों में धार्मिक संस्कारों का संचार हुआ, युवाओं को जीवन की सही दिशा मिली तथा बच्चों में धर्म एवं संस्कृति के प्रति रुचि जागृत हुई। उनकी मधुर वाणी, सरल स्वभाव, स्पष्ट विचार एवं वात्सल्यपूर्ण व्यवहार ने सभी को आत्मीयता के एक सूत्र में बांध दिया।

कृतज्ञता के इस अवसर पर भावनाएं शब्दों से कहीं अधिक मुखर थीं। जिनके सान्निध्य में धर्म को समझने, जिनवाणी को सुनने और आत्मकल्याण की प्रेरणा प्राप्त करने का सौभाग्य मिला, उनके प्रति आभार व्यक्त करना भी अपने आप में एक सौभाग्य है। महासती मंडल द्वारा प्रदान किए गए धर्मसंस्कार एवं आध्यात्मिक प्रेरणाएं संघ के लिए सदैव अमूल्य धरोहर रहेंगी।

अखंड नवकार जाप एवं कलश का लाभ

चातुर्मास के चार महीनों में निरंतर अखंड नवकार महामंत्र का जाप किया गया। इस महामंत्र से मंत्रित कलश को अपने घर ले जाने का लाभ श्री जवाहरमलजी, सुरेंदर्जी एवं योगेशजी बम्ब सिंघी परिवार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के पश्चात ढोल-नगाड़ों के साथ कलश को बम्ब सिंघी भवन से योगेशजी सिंघी के निवास स्थान तक ले जाया गया।

इसी क्रम में महासतीजी द्वारा स्वयं मंत्रित कलश का लाभ श्री मानकचंदजी, अशोकजी, राहुलजी एवं रूदेव सिंघी परिवार ने प्राप्त किया। पूज्य महासतीजी को संघ की ओर से कंबली ओढ़ाने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ, जिसका लाभ श्री पारसमलजी, पुखराजजी, लोकेशजी एवं मनीषजी टाटेड परिवार ने लिया।

विहार की मंगल अनुमोदना एवं शुभकामनाएं

इस अवसर पर पूज्य महासती मंडल के प्रति बधाई एवं अभिनंदन के भाव भी प्रकट किए गए। संघ की ओर से उनके आगामी विहार की मंगल अनुमोदना करते हुए उत्तम स्वास्थ्य, निरंतर साधनारत जीवन, संयम की उत्तरोत्तर वृद्धि एवं जिनशासन की प्रभावना के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की गईं।

जैन श्री संघ, मलकपेट ने कहा कि पूज्य महासती मंडल का चातुर्मास भले ही पूर्णता की ओर अग्रसर है, लेकिन उनके द्वारा दिए गए उपदेश, संस्कार, स्नेह एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन की स्मृतियां सदैव समाज के हृदय में जीवंत रहेंगी।

संतों का आगमन पुण्य का उदय है, उनका सान्निध्य जीवन का सौभाग्य है और उनका विहार विरह की अनुभूति के साथ अनमोल स्मृतियों की सौगात है। यह आयोजन केवल अभिनंदन अथवा विदाई का कार्यक्रम नहीं, बल्कि गुरु भगवंतों के प्रति श्रद्धा, समर्पण, विनय एवं कृतज्ञता की भावपूर्ण अभिव्यक्ति बनकर स्मरणीय रहा।

तप एवं आराधना के लाभार्थियों का सम्मान

संपूर्ण चातुर्मास में एकासना एवं आयंबिल का लाभ लेने वाले श्री जवाहरमलजी एवं सुरेंदर्जी बम्ब सिंघी परिवार के श्रावक-श्राविकाओं का जैन श्री संघ, महिला मंडल, बहू मंडल एवं नवयुवक मंडल के सदस्यों द्वारा शाल, माला एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात संघ की ओर से सभी के लिए गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया।

अंत में जैन श्री संघ, मलकपेट की ओर से पूज्य महासती मंडल के श्रीचरणों में कोटि-कोटि वंदन करते हुए उनके प्रति भावभीनी कृतज्ञता एवं अभिनंदन व्यक्त किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

काशी में ...

देव दीपावली का सबसे अलौकिक दृश्य काशी के घाटों पर दिखाई दिया। यहां 21 लाख दीपों की रोशनी से काशी नगरी जगमगा उठी। गंगा के आकाश में 2,100 मेड इन इंडिया ड्रोन के माध्यम से शिव तांडव और गंगा अवतरण की अद्भुत छटा प्रस्तुत की गई। वहीं, 15 भाषाओं में घाटों की गौरवगाथा सुनाने वाले ऑडियो ने उत्सव को यादगार बना दिया।

दीपथून पर...

इसके चलते दीपथून स्तंभ पर दीप प्रज्वलित नहीं हो सका।

मंदिर प्रशासन ने बताई अपनी परंपरा

इस मामले में अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर, थिरुपरनकुंद्रम की उप आयुक्त एवं कार्यकारी अधिकारी सेल्वी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसमें कहा गया कि मंदिर की लंबे समय से चली आ रही परंपरा के अनुसार 'कार्तिगई महा दीपम' पहाड़ी पर स्थित उचिप्पिल्लैयार मंदिर के पास 'दीपा मंडपम' में प्रज्वलित किया जाता है। यह स्थान मुख्य देवता यानी मूलवर के गर्भगृह के ठीक ऊपर स्थित है।प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ये धार्मिक प्रथाएं सदियों से चली आ रही निरंतर परंपराओं का हिस्सा हैं। इनमें रीति-रिवाज, अनुष्ठान और आगम नियम शामिल हैं, जिन्हें मंदिर की धार्मिक परंपरा और पहचान का अभिन्न अंग माना जाता है।

मंदिर प्रशासन के अनुसार, ट्रस्टी बोर्ड ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया था। इसमें कहा गया कि मंदिर में सदियों से चली आ रही परंपराओं, रीति-रिवाजों, आगम नियमों और स्थापित धार्मिक प्रथाओं की रक्षा की जानी चाहिए। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, इन प्रथाओं की निरंतरता और धार्मिक महत्व को स्थापित करने वाले ऐतिहासिक अभिलेखों, आगम संबंधी दस्तावेजों और मंदिर के पदाधिकारियों यानी स्थानिकारों की राय के आधार पर बोर्ड ने इस वर्ष भी पारंपरिक स्थान पर 'कार्तिगई महा दीपम' प्रज्वलित करने का निर्णय लिया। बोर्ड ने यह भी तय किया कि मंदिर की परंपराओं और रीति-रिवाजों को अदालत के समक्ष रखा जाना चाहिए।ट्रस्टी बोर्ड के प्रस्ताव के अनुसार, 24 नवंबर 2026 को शाम करीब 6 बजे पहाड़ी पर उचिप्पिल्लैयार मंदिर के पास स्थित दीपा मंडपम में 'कार्तिगई महा दीपम' प्रज्वलित किया गया। मंदिर प्रशासन के अनुसार, यह वही स्थान है जो मुख्य देवता के गर्भगृह के ठीक ऊपर स्थित है।

इस मामले को लेकर भाजपा के संगठन महासचिव ने तमिलनाडु सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि तमिलनाडु सरकार, जिसमें मदुरै के जिलाधिकारी भी शामिल हैं, ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना की और निर्देशित स्थान के बजाय उचिप्पिल्लैयार मंडपम में कार्तिगई दीपम प्रज्वलित किया।

उन्होंने तमिलनाडु की टीवीके सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को इस मामले में कानूनी और सभ्यतागत चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने अपनी क्षमता से बड़ा कदम उठा लिया है।

सत् श्री...

पंजाब में इस नए राजनीतिक गठबंधन को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों में अपनी-अपनी राजनीतिक स्थिति का आकलन करने के बाद दोनों दलों ने राजनीतिक जरूरतों और चुनावी अनुभवों के चलते फिर साथ आने का फैसला किया है?

अलग होकर दोनों ने देखा हार का मंजर

पंजाब की राजनीति में इस दौरान बड़ा बदलाव आया है। आम आदमी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज कर सत्ता पर कब्जा जमाया। कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई, जबकि अकाली दल और भाजपा दोनों को अपने-अपने राजनीतिक आधार के बावजूद चुनावी सफलता नहीं मिली। 2020 में गठबंधन टूटने के बाद दोनों दलों ने पंजाब की राजनीतिक जमीन पर अकेले दमखम दिखाने की कोशिश की, लेकिन नतीजे दोनों के लिए निराशाजनक रहे।

2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 92 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया। वहीं, अकेले चुनाव लड़ने का खामियाजा दोनों पुराने सहयोगियों को भुगतना पड़ा। बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाला अकाली दल महज 3 सीटों पर सिमट गया, जो उसके इतिहास का सबसे खराब प्रदर्शन था। भाजपा भी केवल 2 सीटें ही जीत सकी। वोट प्रतिशत के लिहाज से अकाली दल को 18.38 प्रतिशत और भाजपा को 6.60 प्रतिशत वोट मिले।

2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा और अकाली दल ने अलग-अलग चुनाव लड़ा। पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से अकाली दल केवल बठिंडा सीट बचा पाया और उसके 10 उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई। उसका वोट प्रतिशत 2019 के 27.45 प्रतिशत से घटकर 13.42 प्रतिशत पर आ गया। वहीं, भाजपा ने सभी 13 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ा, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत सकी। हालांकि, उसका वोट प्रतिशत 9.63 से बढ़कर 18.56 प्रतिशत हो गया।

दोनों दलों को लगा राजनीतिक झटका

पंजाब में 2022 का विधानसभा चुनाव अकाली दल के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। लंबे समय तक राज्य की सत्ता में अहम भूमिका निभाने वाली पार्टी केवल 3 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा को भी सिर्फ दो सीटें मिलीं। इस चुनाव ने स्पष्ट कर दिया कि गठबंधन से अलग होने के बाद दोनों दलों को अपने-अपने स्तर पर चुनावी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों दलों ने फिर अलग-अलग चुनाव लड़ा। इस बार तस्वीर कुछ बदली हुई नजर आई। भाजपा भले ही एक भी सीट नहीं जीत सकी, लेकिन उसका वोट प्रतिशत बढ़कर 18.56 हो गया। वहीं, अकाली दल का वोट प्रतिशत घटकर 13.42 रह गया। यदि दोनों दलों के वोट प्रतिशत को जोड़ दिया जाए तो यह करीब 31.98 प्रतिशत बनता है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि अलग-अलग चुनाव लड़ने के बावजूद दोनों दलों के पास राज्य में एक महत्वपूर्ण संयुक्त वोट आधार मौजूद था।

क्या दो चुनावों ने समझाई गठबंधन की जरूरत?

2022 और 2024 के चुनावों के नतीजों को देखें तो दोनों दलों के सामने अलग-अलग तरह की चुनौतियां थीं। 2022 में अकाली दल का वोट प्रतिशत भाजपा से काफी अधिक था, लेकिन वह केवल तीन सीटें जीत सका। 2024 में भाजपा का वोट प्रतिशत अकाली दल से अधिक हो गया, लेकिन पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई। अकाली दल भी केवल एक सीट हासिल कर सका। एक ओर अकाली दल के पास अपेक्षाकृत बड़ा पारंपरिक राजनीतिक आधार था, वहीं दूसरी ओर भाजपा ने लोकसभा चुनाव में अपना वोट प्रतिशत बढ़ाया।

पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के आंकड़े संकेत देते हैं कि गठबंधन की स्थिति में दोनों दलों के वोट आधार का समन्वय एक अहम राजनीतिक पहलू हो सकता है। इसके अलावा, पंजाब में भाजपा के सामने ग्रामीण और किसान वर्ग तक पहुंच बनाने की चुनौती रही है, जबकि अकाली दल के लिए अपने पुराने राजनीतिक आधार को फिर से मजबूत करना महत्वपूर्ण है। गठबंधन को इन दोनों जरूरतों को जोड़ने का एक प्रयास माना जा सकता है।

सियासी समीकरण और वोटों के बिखराव की चिंता

पंजाब की राजनीति का गणित हमेशा से सामाजिक और भौगोलिक समीकरणों पर आधारित रहा है। राज्य में अकाली दल की पकड़ मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों और सिख मतदाताओं के बीच मानी जाती है, जबकि भाजपा का आधार शहरी क्षेत्रों और हिंदू मतदाताओं के बीच रहा है। ऐसे में अलग-अलग चुनाव लड़ने से शहरी और ग्रामीण वोटों का पारंपरिक तालमेल टूट गया था। इसका फायदा आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को मिला।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दोनों दलों को इस बात का अहसास हो गया था कि अलग रहकर पंजाब की सत्ता में वापसी करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण है। यही वजह है कि गठबंधन की घोषणा करते हुए दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व ने इसे 'पंजाब की खुशहाली और हिंदू-सिख भाईचारे' के लिए जरूरी कदम बताया है।

पंजाब में भाजपा और अकाली दल पांच बार मिलकर चुनाव लड़ चुके हैं, जिनमें से तीन बार सरकार बनाने में सफल रहे। इसी अनुभव के आधार पर दोनों दलों ने फिर साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

बदरीनाथ हेराफेरी...

समिति ने अपनी रिपोर्ट में चढ़ावे की गिनती से लेकर उसके प्रबंधन, सुरक्षा और बैंक खाते में जमा कराने तक की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के सुझाव दिए हैं।

देश के 14 प्रमुख मंदिरों की व्यवस्था का अध्ययन

समिति ने जांच के दौरान देश के 14 प्रमुख मंदिरों में चढ़ावे की गिनती और प्रबंधन की व्यवस्था का अध्ययन किया। इनमें तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, वैष्णो देवी, स्वर्ण मंदिर, अक्षरधाम मंदिर दिल्ली, महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन और जगन्नाथपुरी मंदिर ओडिशा सहित अन्य प्रमुख मंदिर शामिल हैं। इसके साथ ही समिति ने मंदिर समिति के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। सीसीटीवी फुटेज, डिजिटल साक्ष्यों और चढ़ावे की गिनती से जुड़ी पूरी प्रक्रिया की पड़ताल करने के बाद 300 से अधिक पृष्ठों की रिपोर्ट तैयार की गई।

समिति ने दिए ये सुझाव

उच्चस्तरीय समिति ने जांच रिपोर्ट में चढ़ावे की गिनती कांच की दीवारों वाले कक्ष में कराने, 360 डिग्री सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा गिनती में शामिल कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की पहचान सुनिश्चित करने का सुझाव दिया है। इसके अलावा, उनकी ड्यूटी और आने-जाने के समय की निगरानी करने, चढ़ावे की गणना में तैनात कर्मचारियों को बिना जेब वाले कपड़े पहनाने तथा कक्ष में प्रवेश और बाहर निकलते समय सख्त तलाशी लेने की सिफारिश भी की गई है। समिति ने चढ़ावा प्रकरण की जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट मुख्य सचिव और पर्यटन सचिव को सौंप दी है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि धामों में भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए। समिति ने जांच के दौरान देश के कई प्रमुख मंदिरों की व्यवस्थाओं और प्रबंधन का अध्ययन भी किया।

इंडिया...

सूत्रों के मुताबिक, बेहट और सहारनपुर विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी की ओर से एकतरफा उम्मीदवार घोषित किए जाने से कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद नाराज हैं। इमरान मसूद दोनों सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार उतारने की मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि इस तरह एकतरफा प्रत्याशी घोषित करना गठबंधन धर्म का पालन नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, इमरान मसूद इस मामले को लेकर कांग्रेस आलाकमान से बातचीत कर रहे हैं और उसके जवाब का इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद वह इस मुद्दे पर अपना रुख सार्वजनिक करेंगे।

दूसरे दौर की बैठक तीन घंटे चली

सोमवार को दोनों दलों के बीच पहले दौर की औपचारिक बैठक करीब 15 से 20 मिनट में समाप्त हो गई थी, जबकि मंगलवार को दूसरे दौर की बैठक लगभग तीन घंटे तक चली। बैठक में दोनों दलों के नेताओं ने सीटों को लेकर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के बाद सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि दोनों दलों के बीच बातचीत आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से दो-तीन दिन में जवाब मिलने की उम्मीद है। रामगोपाल यादव ने बताया कि अभी बातचीत का दौर चल रहा है और सीट बंटवारे को लेकर दोनों पक्षों के बीच चर्चा जारी रहेगी।

रामगोपाल यादव ने कहा कि बैठक में हर सीट पर चर्चा की गई और बातचीत काफी सकारात्मक रही। उन्होंने कहा, हम लोगों ने हर सीट पर चर्चा की और बहुत ही सकारात्मक तरीके से बात हुई। 403 सीटें बहुत होती हैं, इसलिए अभी पूरी चर्चा नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि अगली दो-तीन बैठकों में चर्चा पूरी कर ली जाएगी। उनके मुताबिक, हर सीट पर विस्तार से चर्चा करने में समय लगेगा।

अभी बातचीत शुरू हुई है : इमरान मसूद

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर अभी बातचीत शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सीट पर चर्चा होगी और सीट-दर-सीट बातचीत के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। इमरान मसूद ने कहा कि हर चुनाव में चुनावी विमर्श और मुद्दे अलग होते हैं तथा चुनाव का माहौल भी अलग होता है। उन्होंने कहा कि सपा-कांग्रेस का गठबंधन मजबूत होगा और दोनों दल मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे। उनके मुताबिक, दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत सकारात्मक माहौल में चल रही है।

कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा-मोना ने कहा कि बैठक में सीटों को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि बातचीत सकारात्मक रही और अभी तक चर्चा का केवल एक दौर पूरा हुआ है।

अखिलेश यादव ने दिया गठबंधन का संदेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीट बंटवारे को लेकर सोशल मीडिया पर विस्तृत पोस्ट लिखी है। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे की शुरुआत जीतने वाली पहली 26 सीटों से हुई है और आगे की बातचीत भी मिल-जुलकर समझदारी के साथ होगी। अखिलेश यादव ने लिखा, जीतने वाली पहली '26 सीटों' से हुई है शुरुआत, मिलजुलकर समझदारी से और आगे बढ़ेगी बात।

उन्होंने कहा कि इस बार दोनों पंथनिरपेक्ष पार्टियों के पास मिलकर भाजपा को हराने और देश को गलत हाथों में जाने से बचाने का ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि दोनों दलों को जन-अपेक्षाओं और वास्तविकताओं को समझते हुए गंभीर विचार-विमर्श करना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक सीटों पर गठबंधन की जीत सुनिश्चित हो सके। अखिलेश यादव ने कहा कि दोनों दल जितनी सीटों पर चुनाव लड़ें, उनमें जीतने वाली सीटों की संख्या हार की संभावना वाली सीटों से अधिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीत ही सीटों के बंटवारे को सम्मानजनक बनाएगी और जीती हुई सीट ही सम्मान दिलाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि जब दोनों दलों के वरिष्ठ नेता बैठें तो सभी सीटों पर 'इंडिया गठबंधन' के प्रत्याशी के रूप में चर्चा होनी चाहिए, न कि कांग्रेस या सपा के प्रत्याशी के रूप में। उन्होंने कहा कि सबसे अच्छी और सकारात्मक स्थिति यह होगी कि दोनों दल अपने उम्मीदवारों को 'पीडीए प्रत्याशी' के रूप में पेश करें।

उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस संगठन की ओर से 'पीडीए' के साथ किए गए सहयोग का भी उल्लेख किया और इसे सराहनीय बताया। अखिलेश यादव ने कहा कि दोनों दल मिलकर उत्तर प्रदेश और फिर केंद्र में भाजपा को हराएंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 25 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

देव दीपावली पर 1,100 दीपों से जगमगाया चूड़ी धाम

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन घृताधिवास, पुष्पाधिवास, फलाधिवास एवं धूपाधिवास संस्कार संपन्न। आज नगर भ्रमण, कल भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिवस पर चूड़ी बाजार, बेगम बाजार स्थित श्री खेमदास मठ (चूड़ी धाम) में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का विशेष वातावरण रहा। देव दीपावली के पावन अवसर पर मंदिर परिसर को 1,100 दीपों से सजाया गया। असंख्य दीपों की रोशनी से जगमगाते मंदिर परिसर ने श्रद्धालुओं को दिव्य एवं अलौकिक अनुभूति कराई। दीपों की आकर्षक पंक्तियों और मंदिर की भव्य सजावट ने आयोजन की शोभा बढ़ा दी।



प्रातःकाल से ही प्राण प्रतिष्ठा की वैदिक परंपराओं के अनुरूप विभिन्न धार्मिक संस्कारों का क्रम शुरू हुआ। माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के दिव्य विग्रहों के लिए घृताधिवास, पुष्पाधिवास, फलाधिवास एवं धूपाधिवास की महत्वपूर्ण विधियां संपन्न कराई गईं। इन अधिवास संस्कारों के अंतर्गत विग्रहों का विधि-विधान से पूजन किया गया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व किए जाने वाले इन पारंपरिक संस्कारों का विशेष धार्मिक महत्व है।

इन समस्त अनुष्ठानों में महंत श्री डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी, मठाधीश खेमदास मठ का पावन सान्निध्य रहा। धार्मिक विधियों के संचालन में श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा यज्ञाचार्य पं. श्री भंवरलाल शर्मा, हैदराबाद तथा श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा यज्ञाचार्य ज्योतिष गुरु वेद प्रकाश महामाया, मुंबई ने वैदिक परंपरा के अनुसार मार्गदर्शन प्रदान किया।

अधिवास संस्कारों के पश्चात हवन एवं यज्ञ का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रों की गूंज और आहुतियों से मंदिर परिसर आध्यात्मिक वातावरण से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने भी हवन में बढ़-चढ़कर भाग लिया और यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। धार्मिक अनुष्ठानों में भक्तों की सक्रिय सहभागिता ने पूरे आयोजन को सामूहिक आस्था का स्वरूप प्रदान किया।

देव दीपावली पर दीपोत्सव का मनोहारी दृश्य

तृतीय दिवस का सबसे आकर्षक दृश्य देव दीपावली के अवसर पर आयोजित दीप सज्जा रही। मंदिर को 1,100 दीपों से आलोकित किया गया। दीपों की रोशनी से चूड़ी धाम का संपूर्ण परिसर प्रकाशमान हो उठा। माँ जीण माता एवं बाबा श्याम के दिव्य धाम में दीपों की जगमगाहट, धार्मिक वातावरण और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने देव दीपावली के इस आयोजन को विशेष स्मरणीय बना दिया।

गणमान्य व्यक्तियों एवं श्रद्धालुओं की सहभागिता

इस पावन अवसर पर श्री गिरिश गुप्ता, श्रीमती रुचिता गुप्ता, ऋषा गुप्ता, देवांश गुप्ता, श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल, श्री विजेंद्र गोयल, श्रीमती सरिता गोयल, श्री दिलीप कुमार जैन, श्री विनय जैन, श्रीमती नविता जैन, श्री विकास जैन, श्री संदीप कुमार जैन, श्रीमती स्वाती जैन, श्री दीपांश जैन, दिवित जैन, श्री पवन कुमार जाजोदिया, श्री रोहित जाजोदिया, श्रीमती पायल जालान, श्रीमती रीमा, श्री सर्वण कुमार, श्री राजेश जालान, हर्ष जालान, श्रीमती बरखा संघी, नेहा जैन एवं खुशी जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, समाजबंधु एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की।

कल मुख्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह

उल्लेखनीय है कि पांच दिवसीय श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ 22 नवंबर को लगभग 500 निशानों और 500 कलशों के साथ निकली भव्य शोभायात्रा से हुआ था, जिसमें करीब 2,500 श्रद्धालुओं ने सहभागिता की थी। द्वितीय दिवस पर वैदिक अधिवास संस्कारों एवं हवन के साथ भव्य भजन संध्या आयोजित हुई, जिसमें भाग्यनगर के भजन सम्राट श्री मुरारी दाहिमा सहित अनेक भजन प्रवाहकों ने अपनी प्रस्तुतियों से भक्तों को भावविभोर किया।

महोत्सव के आगामी कार्यक्रमों के तहत 25 नवंबर को माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा का भव्य नगर भ्रमण होगा, जबकि 26 नवंबर को प्रातः 11:30 बजे से मुख्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया जाएगा।

चूड़ी धाम में लगातार हो रहे धार्मिक अनुष्ठानों, भजन-कीर्तन और दीपोत्सव के कारण भाग्यनगर के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह बना हुआ है। अब सभी भक्तों की निगाहें 26 नवंबर को होने वाले भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर टिकी हैं, जब माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के दिव्य विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का पावन संकल्प पूर्ण होगा।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर



हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित खेमदास मठ, चूड़ी धाम में नवनिर्मित श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर के पंचदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत तृतीय दिवस पर भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि मंदिर में 26 नवंबर को विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी।

इस अवसर पर हैदराबाद के सुप्रसिद्ध मंगल पाठ वाचक श्री कैलाश जी जावड़ा ने अपनी सुमधुर वाणी एवं संगीतमय प्रस्तुति से सुंदरकांड का पाठ किया। उनके द्वारा प्रस्तुत भजनों एवं संगीतमय चौपाइयों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पूरा चूड़ी धाम हनुमानजी के जयकारों और श्रीराम भक्ति से गुंजायमान हो उठा। भाग्यनगर के बड़ी संख्या में जीण माता के भक्त एवं श्याम प्रेमी इस पावन आयोजन में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अवसर पर खेमदास मठ के मठाधीश महंत श्री मनुदास जी ने सभी श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर पहाड़ी श्याम मंदिर सेवा समिति के श्री अरुण डाकोतिया जी, श्री विजय अग्रवाल, श्री संदीप गोयनका एवं श्री राहुल अग्रवाल का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। साथ ही गौसेवा एवं गौरक्षा के प्रति समर्पित गौभक्त श्री जसवंत भाई पटेल का भी स्वागत किया गया।

अपने संबोधन में श्री जसवंत भाई पटेल ने सभी गौभक्तों एवं धर्मप्रेमियों से आगामी 11 दिसंबर को आयोजित होने वाले गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने के अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गौमाता की रक्षा एवं सम्मान हम सभी का नैतिक और धार्मिक दायित्व है। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर श्री जीण माता एवं श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट के श्री गिरिश कुमार गुप्ता, श्री विनय जैन, श्री रमाकांत गोयल, श्री दिलीप कुमार जैन एवं श्री दीपक गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त श्री सिद्धार्थ गुप्ता, श्रीमती शालिनी अग्रवाल, श्री प्रदीप अग्रवाल, श्री उमेश अग्रवाल, श्री संदीप कुमार जैन, श्री शिवकुमार अग्रवाल, श्रीमती कविता जैन, श्रीमती नविता जैन, श्री दिवेद जैन, श्री विकास चंद जैन, श्रीमती नेहा जैन, श्रीमती पायल जालान एवं श्रीमती रीमा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ में भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

पंचदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत आगामी 25 नवंबर को दोपहर 3:15 बजे श्री जीण माता एवं बाबा श्याम का भव्य नगर भ्रमण आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट की ओर से भाग्यनगर के समस्त धर्मप्रेमियों, जीण माता के भक्तों एवं श्याम प्रेमियों से विनम्र निवेदन किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन नगर भ्रमण में सहभागी बनें तथा माता रानी एवं बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त कर दिव्य आयोजन का पुण्य लाभ उठाएं।

महोत्सव के अंतिम दिन 26 नवंबर को श्री जीण माता एवं बाबा श्याम की भव्य प्राण प्रतिष्ठा विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगी। इसके लिए चूड़ी धाम में तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। आगामी कार्यक्रमों को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्तिभाव का वातावरण बना हुआ है।

गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर्व पर विशाल कीर्तन दरबार आयोजित



हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री गुरु नानक देवजी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व के अवसर पर श्री गुरु सिंह सभा, अशोक बाजार, अफजलगंज गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार गुरचरण सिंह बग्गा एवं सिकंदराबाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह सलूजा के तत्वावधान में समस्त गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों तथा हैदराबाद-सिकंदराबाद की साध-संगत के सहयोग से नुमाइश मैदान, नामपल्ली में विशाल कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया।इस अवसर पर भाई हरविंदर सिंह, मुख्य ग्रंथी, जी.एस.जी.एस.एस. तथा भाई जगदेव सिंह, मुख्य ग्रंथी, गुरुद्वारा साहिब सिकंदराबाद कीर्तन, भाई भाई हरि सिंह रागी जत्था, अफजलगंज तथा भाई चरणजीत सिंह सिकंदराबाद ने भी कीर्तन दरबार में शब्द गायन किया। विशेष रूप से भाई मंदिर सिंह हजूरी रागी जत्था, श्री दरबार साहिब, भाई कुलदीप सिंह चंबावाले तथा भाई जगतेश्वर सिंह, शान पटियाला वालों ने अपने मनोहारी कीर्तन से संगत को निहाल किया।

इस अवसर पर समस्त साध-संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर आयोजित किया गया। गुरुघर के सेवादारों को भी सम्मानित किया गया। श्री गुरु सिंह सभा, अशोक बाजार, अफजलगंज गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार गुरचरण सिंह बग्गा एवं महासचिव सरदार जोगेंद्र सिंह चावला तथा सिकंदराबाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह सलूजा एवं महासचिव सरदार रणबीर सिंह गांधी ने तरनदीप सिंह भाटिया सहित दोनों गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों की ओर से समस्त साध-संगत का आभार व्यक्त किया।



गुरु नानक देव जी की जयंती के अवसर पर मंगलवार को अमीरपेट स्थित गुरुद्वारा साहिब में आयोजित विशेष अरदास में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भाग लिया और मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया।

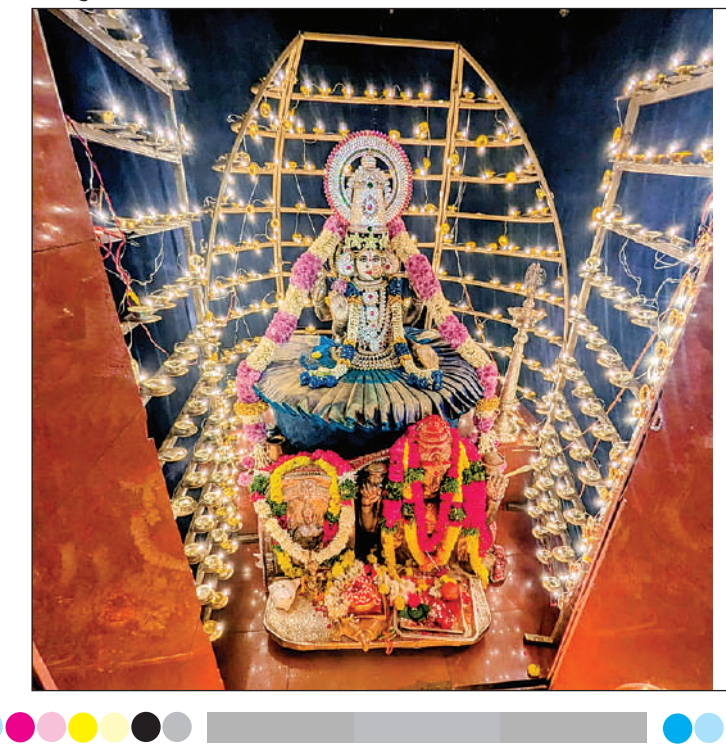

चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में देव दीपावली के पावन अवसर पर माता भाग्यलक्ष्मी का विशेष एवं भव्य अलंकार (श्रृंगार) किया गया। मंदिर प्रबंधन की ओर से माता का पारंपरिक आभूषणों, ताजे फूलों और भव्य वस्त्रों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर संध्या समय 'देव दीपावली दीप दर्शन' का आयोजन भी हुआ। श्रद्धालुओं ने माता के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मेडिकल दर्पण परिवार ने रामप्रकाश अग्रवाल का किया सम्मान



नई दिल्ली, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

द्वारका स्थित यशोभूमि (आईआईसीसी) में 23 से 25 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल प्रदर्शनी सीपीए-चआई इंडिया 2026 के अवसर पर गोयल फार्मा एवं गोयल ड्रग्स, हैदराबाद के रामप्रकाश अग्रवाल का मेडिकल दर्पण परिवार की ओर से सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। मेडिकल दर्पण के संचालक बृजेश गर्ग, नीरू गर्ग एवं अनामिका गौतम ने उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि फार्मास्यूटिकल एवं चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों का योगदान समाज के स्वास्थ्य और बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रकार की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियां फार्मा उद्योग से जुड़े लोगों को आपसी संवाद, नवीन तकनीकों, उत्पादों एवं व्यावसायिक संभावनाओं से परिचित होने का अवसर प्रदान करती हैं।

उन्होंने मेडिकल दर्पण परिवार के कार्यों की सराहना करते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

गोमाता पार्टी नाम पर विवाद

निर्वाचन आयोग की आपत्ति के बाद युग तुलसी पार्टी ने कानूनी लड़ाई का किया ऐलान

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले लोकसभा चुनाव में वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़कर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आए युग तुलसी पार्टी के अध्यक्ष के. शिवकुमार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के फैसले से झटका लगा है। आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए(9) के तहत उनकी पार्टी का नाम बदलकर गोमाता-राष्ट्रमाता पार्टी रखने के आवेदन को अस्वीकार कर दिया है।

आयोग ने नियमों के अनुरूप आवेदन नहीं होने का हवाला देते हुए 27 अक्टूबर 2026 और 18 नवंबर 2026 को पत्र संख्या 56/199/2024/झझड-खखख के माध्यम से कम से कम तीन वैकल्पिक नाम सुझाने का निर्देश दिया है। हालांकि, शिवकुमार ने स्पष्ट किया है कि वे किसी भी परिस्थिति में वैकल्पिक नाम नहीं देंगे और प्रस्तावित नाम को मान्यता दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उनका यह रुख राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

वाराणसी से निर्वाचन सदन तक

पिछले कुछ वर्षों से देशभर में गो-आंदोलन चला रहे शिवकुमार गोमाता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने के नारे के साथ पिछले लोकसभा चुनाव में वार-ाणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे थे। इसके अलावा, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व बोर्ड सदस्य के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने टीटीडी के शासी निकाय में भी गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने का प्रस्ताव पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब अपनी पार्टी का नाम भी गोमाता-राष्ट्रमाता पार्टी रखने के उनके प्रयास पर निर्वाचन आयोग की आपत्ति के बाद यह मामला और चर्चा में आ गया है।

निर्वाचन आयोग के नियमों पर पार्टी के कानूनी तर्क

निर्वाचन आयोग के फैसले पर आपत्ति जताते हुए युग तुलसी पार्टी ने कई संवैधानिक और कानूनी पहलुओं को सामने रखा है। पार्टी के प्रमुख तर्क इस प्रकार हैं-

1. नाम को धार्मिक शब्द मानने पर आपत्ति: पार्टी का कहना है कि गोमाता-राष्ट्रमाता नाम किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है। यह गो-आधारित प्राकृतिक खेती, किसानों के कल्याण, ग्रामीण आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय अखंडता का प्रतीक है।

2. 2014 के आदेश की व्याख्या पर सवाल: पार्टी के अनुसार, 19 मई 2014 का निर्वाचन आयोग का आदेश (संख्या 56/2014/झझड-ख) केवल उन नामों पर प्रतिबंध लगाता है, जो पहले से मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नामों के अनुवाद हों और मतदाताओं को भ्रमित कर सकते हों। पार्टी का दावा है कि उसके प्रस्तावित नाम की किसी अन्य राजनीतिक दल के नाम से समानता नहीं है।

3. संवैधानिक प्रावधानों और अदालती फैसलों का हवाला: पार्टी का तर्क है कि प्रस्तावित नाम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48 (गो-संरक्षण और कृषि विकास), अनुच्छेद 51ए(जी) (जीवों के प्रति दया) और अनुच्छेद 19(1)(सी) (संघ बनाने का मौलिक अधिकार) की भावना के अनुरूप है। पार्टी ने मद्रास हाईकोर्ट के 'देसिया दैवीगा मुर्पोक्कु कझगम' मामले में दिए गए फैसले का हवाला देते हुए कहा है कि किसी राजनीतिक दल के नाम का मूल्यांकन अलग-अलग शब्दों के आधार पर नहीं, बल्कि उसके संविधान और उद्देश्यों के समग्र संदर्भ में किया जाना चाहिए। इसके साथ ही इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की उन टिप्पणियों का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें गो-संरक्षण को राष्ट्रीय महत्व का विषय बताया गया है।

युग तुलसी पार्टी का मानना है कि वैकल्पिक नाम देना उसके मूल उद्देश्य से पीछे हटने जैसा होगा। इसी कारण पार्टी ने अपने पक्ष को विस्तार से रखने के लिए निर्वाचन आयोग से व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने की मांग की है। पार्टी ने संकेत दिया है कि सुनवाई का अवसर नहीं मिलने या नाम को लेकर सहमति नहीं बनने की स्थिति में वह सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकती है। अब इस मामले में निर्वाचन आयोग के अगले कदम और पार्टी की कानूनी कार्रवाई पर नजर रहेगी।

जनसमस्याओं को लेकर भाजपा की महापदयात्रा



हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुरानापुल डिवीजन में जनसमस्याओं एवं बुनियादी नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेने तथा उन्हें उजागर करने के उद्देश्य से भाजपा पुरानापुल डिवीजन की ओर से महापदयात्रा का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा गोलकुंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर भाजपा पुरानापुल डिवीजन अध्यक्ष के. प्रकाश सहित जिला महासचिव के. सुरेंद्र, एम. कृष्णा, ए. कृष्णा, जिला ओबीसी अध्यक्ष प्रकाश गौड़, कुनाल राव, ओबीसी डिवीजन अध्यक्ष राजेंद्र जी, प्रणित और के. नरेंद्र सहित अन्य भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता महापदयात्रा में शामिल हुए।

इस अवसर पर नेताओं ने बेहतर नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता और जनकल्याण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। आयोजकों ने महापदयात्रा को सफल बनाने के लिए सभी भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हनुमान मंदिर में सामूहिक सत्यनारायण व्रत संपन्न



हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर नंपल्ली गुड्स शेड स्थित श्री हनुमान मंदिर में सामूहिक श्री सत्यनारायण स्वामी व्रत धार्मिक श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी सुब्रह्मण्य शास्त्री एवं चेयरमैन चल्लापल्ली श्री रामचंद्र मूर्ति ने सभी श्रद्धालुओं के लिए भगवान श्री सत्यनारायण स्वामी से सुख, शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करने की प्रार्थना की। पूजा-अर्चना मंदिर के पुजारी नागराजू स्वामी ने संपन्न कराई। कार्यक्रम में मंदिर न्यास मंडल के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में सभी भक्तों को तीर्थ-प्रसाद वितरित किया गया।

जामबाग और बेगम बाजार डिवीजनों में 1.19 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जामबाग और बेगम बाजार डिवीजनों में कुल 1 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से विभिन्न सीसी रोड एवं सीवरेज लाइन विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा के पूर्व फ्लोर लीडर जी. शंकर यादव तथा गनफाउंड्री डिवीजन की पूर्व पार्षद एवं गोलकोंडा महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. बी. सुरेखा ओमप्रकाश भी मौजूद रहीं।

जामबाग डिवीजन के अंतर्गत भाजपा प्रदेश कार्यालय से कैट टेक्नोलॉजीज, पुरानी कातलमंडी तक सीसी रोड एवं विकास कार्यों के लिए 68 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। बेगम बाजार डिवीजन के अंतर्गत हनुमान टेकड़ी, ट्रूप बाजार में जेएसआर ऑप्टिकल्स से कनिष्का साइकिल स्टोर्स तक 39 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य किए जाएंगे। इसके अलावा इसामीया बाजार में विष्णु स्वीट हाउस के सामने, लेबर अड्डा में शैलेंद्र हाउस के निकट तथा मोती क्षेत्र में यूपीएचसी अस्पताल के पीछे भी विकास कार्य प्रस्तावित हैं।



बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा अन्नसेवा की गई



राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवा और समर्पण की भावना के साथ जरूरतमंदों को अन्न वितरित किया।

तेलंगाना प्रवासी समाज
वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (TPSWO)

TELANGANA PRAVASI SAMAJ WELFARE ORGANIZATION — TPSWO

SAY NO TO DRUGS

आपको नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक सार्थक पहल

नशा मुक्त भारत

हैदराबाद पदयात्रा 2026 में भाग लेने के लिए

सादर आमंत्रित करता है।



Shri G. Kishan Reddy
Hon'ble Union Minister of Coal and Mines, Government of India

TELANGANA PRAVASI SAMAJ KA NAARA!
NASHA MUKT HO TELANGANA HAMARA!



"Stop Drugs Save Lives!"
"Choose Health, Not Addiction!"
"A Drug-Free Telangana is Our Responsibility!"
"Youth for a Nasha Mukt Bharat!"
"Break the Chain of Addiction!"

* प्रथम दिवस – पदयात्रा का विवरण

दिनांक : 25 नवंबर 2026, बुधवार
समय : प्रातः 9:00 बजे से
प्रारंभ स्थल : एमसीएच ग्राउंड्स, अंबरपेट
समापन स्थल : कशिश फंक्शन हॉल, मुशीराबाद
दूरी : 11.2 किलोमीटर

भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री
श्री जी. किशन रेड्डी जी के नेतृत्व में
इस प्रेरणादायक आंदोलन से जुड़ें।

आइए, हम सभी मिलकर जागरूकता फैलाएं, अपने युवाओं की रक्षा करें और एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त तेलंगाना का निर्माण करें।

तेलंगाना प्रवासी समाज का नारा!
नशा मुक्त हो तेलंगाना हमारा!

नशे को ना कहें – जीवन को हाँ कहें!

नशा मुक्त भारत

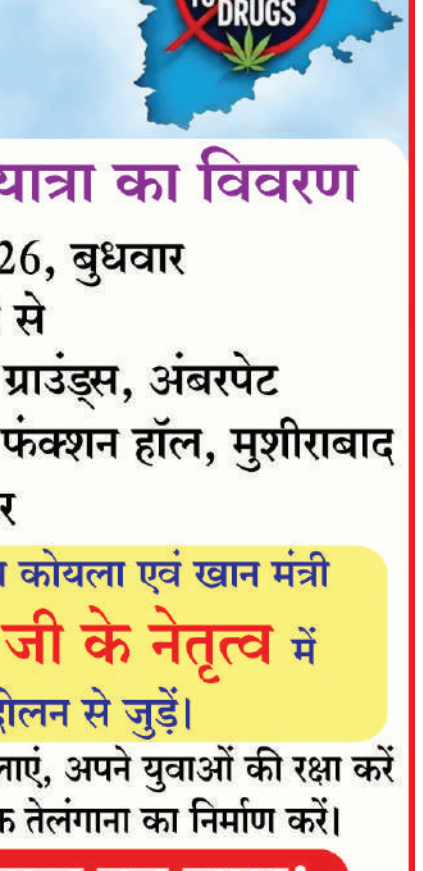

सादर,
सुभाष अग्रवाल
मुख्य संयोजक
तेलंगाना प्रवासी समाज
वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (TPSWO)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.